तीसरी वर्षगांठ पर मंथन ने कराया जरूरतमंदों को भोजन

दैनिक राष्ट्र सम्मत

बहरोड़। दिव्यांग बच्चो के लिए आशा की किरण के रूप में सामने आए मंथन दिव्यांग पुनर्वास केंद्र की तृतीय वर्षगांठ पर पचास जरूरतमंदों को भोजन कराया गया। डॉ. सविता गोस्वामी ने बताया कि इस शुभअवसर पर पंचमुखी हनुमान सेवा समिति द्वारा संचालित भोजन व्यवस्था में पचास व्यक्तियों के भोजन की सेवा मंथन द्वारा दी गई। साथ ही मानव सेवा ही माधव सेवा है के सिद्धान्त को अपनाने वाली इस समिति की गत एक वर्ष से निरंतर सेवा देने हेतु सराहना की गई। वहीं संस्थापक डॉ. पीयूष गोस्वामी ने बताया कि गत तीन वर्षों से इस पुनर्वास केंद्र में दिव्यांग बच्चो को उनकी आवश्यकतानुसार फिजियोथेरेपी, स्पीच थेरेपी आदि के माध्यम से सक्षम बनाने का प्रयास किया जा रहा है। यहां सेरिब्रल पाल्सी, मानसिक विमंदित, मूक बधिर, लर्निंग डिसएबिलिटी, तुतलाने, हकलाने वाले इत्यादि बच्चे आते है एवं उनमे से कई बाच्चो का सफल इलाज किया जा चुका है। गोस्वामी दाम्पत्ति ने बताया कि ये दिव्यांग बच्चे सबसे पहले बच्चे है। इन्हें भी पढ़ाई, व्यवसाय, सपने देखना, अपने विचारों को व्यक्त करना, अपने हिसाब से अपनी जिंदगी व्यतीत करने का हक है। इन्हें सहानुभूति नही सहयोग की आवश्यकता है, और वही सहयोग देने का प्रयास मंथन कर रहा है।

अंर्तराष्ट्रीय दिव्यांग टेलेंट हंट के प्रथम चरण का परिणाम एक को

बहरोड़। मंथन फॉउन्डेशन द्वारा दिव्यांग बच्चों के लिए आयोजित ऑनलाइन इवेंट उद्गम- द बिगिंनिंग इंटरनेशनल स्पेशल टैलेंट हंट शो के प्रथम चरण का परिणाम 1 दिसंबर को घोषित किया जाएगा। यह जानकारी शनिवार को मंथन कार्यालय पर आयोजित प्रेस वार्ता में डॉ. सविता गोस्वामी ने दी। उन्होंने बताया कि दिव्यांग बच्चों की प्रतिभाओं को उभारने एवं समाज के सामने प्रदर्शित करने के उद्देश्य से ऑनलाइन इवेंट उद्गम की शुरुआत 16 अक्टूबर को की गई थी। जिसके प्रथम चरण में सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुतियां आमंत्रित की गई थी। वहीं डॉ. पीयूष गोस्वमी ने जानकारी देते हुये बताया कि सांस्कृतिक कार्यक्रमों के इस चरण में देशभर से अच्छी प्रतिक्रिया मिली एवं विभिन्न शारिरिक एवं मानसिक दिव्यांगता लिए हुए लगभग 150 कलाकारों ने इसमें हिस्सा लिया एवं मनभावक प्रस्तुतियां दी। इस कार्यक्रम में आटिज्म के 31, दृष्टिबाधिता के 26, बौद्धिक अक्षमता से 52, सेरिब्रल पाल्सी से 12, श्रवण बाधिता से 23 एवं अन्य से 6 बच्चों ने गायन, नृत्य, अभिनय, वादन आदि की प्रस्तुतियां दी। जिसे यूट्यूब पर अपलोड भी किया गया। इस प्रतियोगिता के विजेताओं की घोषणा 1 दिसम्बर को की जाएगी। प्रेस वार्ता के दौरान दीपक सैनी, नेहा जैन सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

जरूरतमंदों को सामान वितरित

-बहरोड़. जरूरतमंदों को सामान भेंट करते हुए।

आपके लिए व्यर्थ पर औरों के लिए जरूरी मुहिम 3 वर्ष से जारी

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क
rajasthanpatrika.com

बहरोड़. मंथन फाउंडेशन द्वारा शुक्रवार को कस्बे में विभिन्न स्थानों पर जाकर करीब 50 जरूरतमंद परिवारों को दीपावली के पावन पर्व पर कपड़े, स्वेटर, फल एवं दीए आदि वितरित किए गए। कार्यक्रम संयोजक घनश्याम यादव ने बताया कि संस्था द्वारा आपके लिए व्यर्थ पर औरों के लिए जरूरी मुहिम पिछले तीन वर्षों से चलाई जा रही है। हम सभी के घरों में बहुत सारा सामान ऐसा इकट्ठा हो जाता है, जो हमारे काम का नहीं रहता, जैसे बच्चों के कपड़े, खिलौने, बोतल व बैग आदि।

इस कैंपेन का उद्देश्य ऐसे सामान को उन लोगों तक पहुंचाना है, जिनके ये काम आ सकता है। वहीं शर्मिला गौड़ ने बताया कि इस मुहिम में आसपास के लोगों द्वारा संस्था को काफी सहयोग मिल रहा है। जरूरतमंदों के चेहरों पर इस तरीके से मुस्कान बांटना ही त्योहारों की सही सार्थकता है। कार्यक्रम में डॉ. सविता गोस्वामी, बसंती यादव, डॉ. पियूष गोस्वामी, अमित यादव, नवीन सोनी व शर्मिला गौड़ आदि उपस्थित रहे।

पत्रिका Sat, 03 November 2018
epaper.patrika.com/c/33667463

आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओ की सेहत का भी रखा ध्यान

बहरोड़। कोरोना वर्सेस ह्यूमैनिटी कैंपेन के अंतर्गत गत एक माह से निरंतर मंथन फॉउन्डेशन चैरिटेबल ट्रस्ट पीड़ित मानवता की सेवा व कोरोना वारियर्स की सुरक्षा में लगा हुआ है। ट्रस्ट सचिव डॉ सविता गोस्वामी ने बताया कि इसी क्रम में प्रथम पंक्ति योद्धाओं के रूप में कार्य कर रही आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओ व सहयोगिनियों की रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाने के उद्देश्य से आयुष मंत्रालय द्वारा दिये गए निर्देशानुसार नि:शुल्क होम्योपैथीक दवाइयों के 50 किट दिए गए। तथा आंगनवाड़ी कार्यकर्ता ललिता यादव, रेखा शर्मा व सुनीता को सर्वे के रूप में दिए जा रहे अतुलनीय सहयोग हेतु ट्रस्ट द्वारा अंगवस्त्र से सम्मानित भी किया गया। इस दौरान डॉ गोस्वामी ने लोगों से अपील की कि डोर-टू-डोर सर्वे में पूछे जाने वाली जानकारी देकर सर्वे टीम का सहयोग करें ताकि प्रशासन कोरोना संक्रमण से लड़ने में आपकी मदद कर सके।

वहीं डॉ पीयूष गोस्वामी ने बताया कि जब से कोरोना ने भारतदेश में दस्तक दी है तब से ही मंथन फॉउंडेशन सतत व समाजोपयोगी कार्य कर रहा है जिसके अंतर्गत गांवों में कार्यशाला द्वारा लोगों को जागरुक करना हो या फिर रियूसबले मास्क वितरण का कार्य हो या कोरोना वारियर्स के लिए होम्योपैथी दवाई वितरण का कार्य। फाउंडेशन द्वारा अब तक घर पर बनाये गए 1700 रियूजेबल मास्क एवं 1000 से अधिक कोरोना वारियर्स सहित अन्य लोगों को नि:शुल्क होम्योपैथिक दवाई वितरित की जा चुकी है व ये प्रयास आगे भी जारी रहेंगे।

बहरोड़ @ पत्रिका. मंथन स्पेशल स्कूल का द्वितीय वार्षिकोत्सव रविवार को मनाया गया। कार्यक्रम की शुरुआत नगरपालिका चेयरमैन सीताराम यादव,एसएचओ विनोद सांखला द्वारा मां सरस्वती की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्वलित कर की गई। कार्यक्रम में मंथन स्पेशल स्कूल के दिव्यांग बच्चों द्वारा मनमोहक प्रस्तुतियां दी गयी। गौरतलब है कि मंथन फॉउंडेशन द्वारा गत चार वर्षों से दिव्यांग बच्चों को निःशुल्क शिक्षा, रिहैबिलिटेशन, व्यावसायिक प्रशिक्षण के माध्यम से समाज की मुख्य धारा से जोड़ने का प्रयास किया जा रहा है।कार्यक्रम के मुख्य अतिथि चैयरमैन यादव ने कहा कि दिव्यांग बच्चे दिव्यांगता से पहले बच्चे हैं। विशिष्ट अतिथि डांस दीवाने फेम मोनिका भारती ने कहा कि दिव्यांगता अभिशाप नहीं है। हर व्यक्ति में कुछ न कुछ कमी होती है और सभी दिव्यांग बच्चों में स्पेशल गुण रहता है। जरूरी है उसे परखने की। एक अच्छा जौहरी ही हीरे की पहचान कर सकता है और मंथन ने यह सिद्ध कर दिखाया है ये बच्चे किसी हीरे से कम नहीं हैं। उनके द्वारा मनमोहक आवाज में एक गीत की प्रस्तुति भी दी गयी।

REDMI NOTE 6 PRO
MI DUAL CAMERA

दिव्यांग बच्चों ने दी मनमोहक प्रस्तुतियां: दिव्यांग बच्चों को उपेक्षा या सहानुभूति की नजर से नहीं देखा जाना चाहिये। जरूरत है समाज उन्हें अपनाये

मंथन स्पेशल स्कूल ने धूमधाम से मनाया अपना द्वितीय वार्षिकोत्सव

(दैनिक मृदुल पत्रिका)

बहरोड (सुभाष यादव)। रविवार को मंथन स्पेशल स्कूल का द्वितीय वार्षिकोत्सव कार्यक्रम पीयूष हॉस्पिटल में बडी धूमधाम से मनाया गया। कार्यक्रम की शुरुआत नगरपालिका चैयरमैन सीताराम यादव एसएचओ विनोद सांखला पार्षद संजय मीर कमल नयन शर्मा संजय यादव एवं अन्य अतिथियों द्वारा माँ सरस्वती की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्वलित कर की गई। मंथन सचिव डॉ सविता गोस्वामी ने बताया कि कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में नगरपालिका चेयरमैन सीताराम यादव रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता विनोद सांखला एसएचओ बहरोड ने की एवं विशिष्ट अतिथि के रूप में डांस दीवाने फेम मोनिका भारती पार्षद संजय मीर कमल नयन शर्मा संजय उर्फ मुन्ना खोहरी जयदयाल पहलवान रहे। कार्यक्रम में मंथन स्पेशल स्कूल के दिव्यांग बच्चों द्वारा मनमोहक प्रस्तुतियां दी गयी। गौरतलब है कि मंथन फॉउंडेशन द्वारा गत चार वर्षों से दिव्यांग बच्चों को नि:शुल्क शिक्षा रिहैबिलिटेशन व्यावसायिक प्रशिक्षण के माध्यम से समाज की मुख्य धारा से जोडने का प्रयास किया जा रहा है। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि चैयरमैन सीताराम यादव ने फाउंडेशन द्वारा किये गए प्रयासों की जमकर तारीफ की। साथ ही उन्होंने कहा कि दिव्यांग बच्चे दिव्यांगता से पहले बच्चे हैं। इन्हें भी शिक्षा रोजगार एवं मनोरंजन के समान अवसर मिलने चाहिए। साथ ही उन्होनें अधिक से अधिक लोगों को इस कार्य में अपना सहयोग करने की अपील की। वहीं कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे बहरोड थानाधिकारी विनोद सांखला ने कहा कि दिव्यांग बच्चों को उपेक्षा या सहानुभूति की नजर से नहीं देखा जाना चाहिये। जरूरत है कि समाज उन्हें अपनाये। संयुक्त प्रयासों से ये बच्चे भी समाज की मुख्य धारा से जुड सकते हैं।

वहीं विशिष्ट अतिथि डांस दीवाने फेम मोनिका भारती ने कहा कि दिव्यांगता अभिशाप नहीं है। हर व्यक्ति में कुछ न कुछ कमी होती है। और सभी दिव्यांग बच्चों में स्पेशल गुण रहता है। जरूरी है उसे परखने की। एक अच्छा जोहरी ही हीरे की पहचान कर सकता है और मंथन ने यह सिद्ध कर दिखाया है ये बच्चे किसी हीरे से कम नहीं हैं। उनके द्वारा मनमोहक आवाज में एक गीत की प्रस्तुति भी दी गयी। वहीं मंथन फाउंडेशन के संस्थापक डॉ0 पीयूष गोस्वामी ने आये हुये अतिथियों को मंथन के प्रयासों से इन दिव्यांग बच्चों में आये हुये सकारात्मक बदलाव के बारे में चर्चा की। साथ ही उन्होंने इस कार्य में सहयोग के लिए दिव्यांग सारथियों का आभार व्यक्त किया। इसी क्रम में बच्चों की शिक्षा, रिहैबिलिटेशन एवं व्यावसायिक प्रशिक्षण के लिए आगे आये दिव्यांग सारथियों को फाउंडेशन द्वारा सम्मानित किया गया। मंच संचालन रक्षिता अग्रवाल द्वारा किया गया। कार्यक्रम के अंत मे वसंती यादव ने आये हुये अतिथियों को धन्यवाद दिया। कार्यक्रम में सुनील सैनी अमित शर्मा संजय यादव मंथन परिवार से सुषमा गोस्वामी वसंती यादव प्रकाश गौड दीपक सैनी शर्मिला गौड अमित कुमार यादव घनश्याम यादवए चेतना यादवए नेहा जैन रोहित जैन रामसिंह मोरोडिया प्रदीप यादव सरिता यादव ललिता प्रजापत सहित अन्य सामाजिक संस्थाओं के पदाधिकारी व गणमान्य जन उपस्थित रहे।

रक्तदान कर मंथन रक्तवीरों ने बचाया जीवन

अलवर। मंथन फाउन्डेशन चैरिटेबल ट्रस्ट के रक्तवीरों ने एक बार पुनः एक जरूरतमंद को समय रहते रक्त देकर मानवता का परिचय दिया एवं तीन जिंदगियां बचाई । ट्रस्ट की डॉ. सविता गोस्वामी ने बताया कि एक गर्भवती महिला को ईएसआईसी नीमराना के द्वारा निजी हॉस्पिटल में भर्ती किया गया। जहाँ जांच में पता चला कि गर्भवती महिला की प्लेलेट्स कम है। जिसे चार यूनिट आरडीपी की मांग की गई। जिस पर राजेश, डॉ.पीयूष गोस्वामी एवं रोहित जैन ने रक्तदान कर महिला की जान बचाई।

मंथन सीबीआर सेन्टर ने किया जैनपुरवास में पौधारोपण

बहरोड। क्षेत्र के जैनपुरवास में पौधरोपण कार्यक्रम आयोजित हुआ।इसमें संयोजक रामसिंह मोरोडिया ने बताया कि ग्राम जैनपुरवास के राजीव गांधी सेवा केंद्र में मंथन सीबीआर सेन्टर द्वारा पौधारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया।जिसमें दिव्यांग बच्चों द्वारा पौधारोपण कर ग्रामीणों को पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया गया।इस अवसर पर सरपंच सुनीता देवी,जगराम गुर्जर,काजू, संजू, खामोश, अशोक, मुकेश सहित अन्य उपस्थित रहे।

कोरोना वायरस से न घबराएं, खुद बचें और सबको बचाएं

बहरोड (अलवर)। मंथन फाउंडेशन चैरिटेबल ट्रस्ट बहरोड द्वारा बुधवार को कोरोना वायरस के प्रति जागरूकता अभियान के दूसरे दिन ग्राम नारेडाकलां में चौपाल पर एक कार्यशाला का आयोजन किया गया।इस कार्यशाला में डॉ0 सविता गोस्वामी ने ग्रामीणों व बच्चों को वायरस से बचने के लिये सूती कपडे एवं स्पिरिट की मदद से घरेलू मास्क एवं हैंड सेनेटाइजर बनाना सिखाया।जैसे महिलाओं और बच्चों ने बडे उत्साह से सीखा।डॉ0 पीयूष गोस्वामी ने बताया कि कोरोना वायरस उन लोगों को अधिक नुकसान पहुंचाता है,जिनकी रोग प्रतिरोधक क्षमता कम है।अत: विटामिन सी के इस्तेमाल,साफ सफाई का ध्यान रख हम इसके प्रभाव को कम कर सकते हैं।साथ ही उन्होंने बताया कोरोना एक प्रकार का फ्लू है जिसमें बीमार व्यक्ति को सूखी खांसी, तेज बुखार एवं सांस लेने में तकलीफ होती है।सही चिकित्सीय परामर्श से इस बीमारी का इलाज संभव है।अत: इससे घबराने की जरूरत नहीं है बल्कि कुछ सावधानियां रख इसे फैलने से रोकने की जरूरत है।संस्था द्वारा दिव्यांग बच्चों के नि:शुल्क संचालित मंथन स्पेशल स्कूल के नए सत्र के लिये सर्वे भी किया गया।जिसमें 4 दिव्यांग बच्चों स्कूल के लिए चिन्हित किया गया।एवं अभिभावकों को बच्चों की शिक्षा, थेरेपी के लिए प्रेरित किया गया।इस कार्यक्रम में फाउंडेशन के डॉ0 पीयूष गोस्वामी,कृष्णकुमार, सरिता यादव,प्रदीप कुमार,राम मुखर्जी, लराहुल सहित ग्रामीणों में अनिल शर्मा, सविता, सावित्री, गोमती, लाली, रामकला, मांगेराम शर्मा एवं ओमप्रकाश उपस्थित रहे।

दिव्यांग बच्चों ने दीवाली के लिए सजाए दीये

पत्रिका न्यूज नेटवर्क

patrika.com

बहरोड़ . कस्बे में मंथन स्पेशल स्कूल के दिव्यांग बच्चों ने इस दीपोत्सव को विशेष बनाने के लिए मिट्टी के दिये बनाए। निदेशक डॉ सविता गोस्वामी ने बताया कि गत वर्ष की भांती इस वर्ष भी दिपावली विशेष मंथन आर्ट गैलरी का शुभारंभ किया गया। विशेष शिक्षक के प्रशिक्षण व निरीक्षण में अधिगम अक्षमता से ग्रसित बालिका खुशबू द्वारा मिट्टी के दीये सजाए गए। उनमे मोम व फुलबत्ती की सहायता से उन्हें परंपरागत रूप दिया गया व रेडीमेड दीये तैयार किये गए है। साथ ही लॉवर पॉट,बन्दरवाल सहित अन्य सजावट का सामान तैयार किया गया। डॉ पीयूष गोस्वामी ने बताया कि इस प्रकार के प्रशिक्षण का उद्देश्य बच्चों को स्वरोजगार से जोड़ना है ताकि वे भविष्य में इसके द्वारा अपनी आजीविका का साधन अर्जित कर सकें। आर्ट गैलरी शुभारंभ के अवसर पर घनश्याम यादव,ललिता प्रजापत,रामसिंह मोरोड़िया, प्रदीप यादव सहित अन्य जन मौजूद रहे।

बहरोड़. दिव्यांग बच्चों की ओर से बनाए गए मिट्टी के दीये ।

दिव्यांग बच्चों ने दिया फिट रहने का संदेश

पत्रिका न्यूज नेटवर्क

patrika.com

बहरोड़. मंथन स्पेशल स्कूल के दिव्यांग बच्चों ने फिट इंडिया मूवमेंट के तहत शारीरिक स्वास्थ्य के लिए आवश्यक क्रियाकलापों का प्रदर्शन किया। डॉ.सविता गोस्वामी ने बताया कि शारिरिक रूप से स्वस्थ रहने के लिए व्यायाम, खेलकूद इत्यादि का नियमित अभ्यास अति आवश्यक है। इसी बात को ध्यान में रखते हुए फिट इंडिया मूवमेंट के अंतर्गत बच्चों के लिए एक ऑनलाइन कार्यशाला का आयोजन किया गया। जिसमे एरोबिक्स विशेषज्ञ नेहा सूद द्वारा बच्चों को बेसिक फाइव स्टेप्स की ट्रेनिंग दी गयी व स्वस्थ रहने हेतु आवश्यक खानपान व अन्य बातों से अवगत कराया। तत्पश्चात दिव्यांग बच्चो द्वारा भी विभिन्न अभ्यास का प्रदर्शन किया गया जिनमे कनु गोस्वामी द्वारा एरोबिक्स,सुमित श्रीवास्तव व अमन यादव द्वारा पुशअप्स करके दिखाए गए।वहीं डॉ. पीयूष गोस्वामी ने बताया कि यह एक साप्ताहिक कार्यकम रहेगा जिसमे प्रतिदिन बच्चों व उनके अभिभावकों को स्वस्थ रहने के गूढ़ रहस्यों से अवगत कराया जाएगा जिससे सभी की रोगप्रतिरोधक क्षमता भी बड़े व कोरोना से बचाव भी हो सके।

मंथन स्कूल में मनाया होली उत्सव

बहरोड़। मंथन फाउन्डेशन चैरिटेबल ट्रस्ट द्वारा संचालित दिव्यांग बच्चों के नि:शुल्क विद्यालय मंथन स्पेशल स्कूल में शनिवार को भारतीय संस्कृति में अग्रणी माने जाने वाले त्यौहार होली महोत्सव हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। सचिव डॉ. सविता गोस्वामी ने बताया कि कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में ज्ञानगंगा सोशल डेवलपमेंट सोसाइटी अध्यक्ष रेखा गोयल उपस्थित रही जिन्होंने माँ सरस्वती के सामने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। तत्पश्चात बच्चों ने चंदन के तिलक, फूलों व गुलाल से सभी अतिथियों का स्वागत किया व होली की शुभकामनाएँ दी तथा रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियां देकर सभी का मन मोह लिया। वहीं डॉ. पीयूष गोस्वामी ने बताया कि कार्यक्रम के दौरान बच्चों को होली की पारंपरिक कथा से अवगत कराया गया साथ ही जीवन मे रंगों की सार्थकता भी बताई गई कि किसी को रंगना ही है तो रंगों के साथ-साथ मन के अच्छे विचारों से उसे रंग दो और उसके अच्छे विचारों से स्वयं को रंग लो। और थोड़ा सा समय निकाल कर इन विशेष बच्चों के जीवन को भी रंगों से भर दो। अतिथि रेखा गोयल ने मंथन द्वारा की जा रही दिव्यांग सेवा को सर्वोपरि बताते हुए बारम्बार सदस्यों का धन्यवाद किया व बच्चों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की। इस मौके पर डॉ. पीयूष गोस्वामी, दीपक शास्त्री, पूजा चौहान, सरिता यादव, प्रदीप कुमार, चिन्मयी गोस्वामी, ललिता प्रजापत सहित अभिभावक व बच्चें उपस्थित रहे।

दिव्यांग बच्चों में अदभुत और विशेष क्षमताएँ हैं इन्हे सहानुभूति नही सहयोग दें

संघर्षगाथा

दिव्यांगजनों के उत्थान का संकल्प लेकर बहरोड़(राजस्थान)के युवादम्पति डॉ.पीयूष गोस्वामी (फिजियोथेरेपिस्ट)और डॉ सविता गोस्वामी(होम्योपैथी विशेषज्ञ) ने विवाह पश्चात नवसहजीवन के साथ ही एक क्लिनिक की भी शुरुवात की इनके पास सेरेबलपाल्सी ,डाउनसिंड्रोम, ऑटिज़्म पीड़ित बच्चे थेरेपी के लिये आते थे। एक बार श्रवण बाधित बच्चे का केस आया स्पीच थेरेपी से अच्छे परिणाम दिखे इससे हौसला बढ़ा और अब इस तरह के केसेस को इन्होंने चुनौती की तरह लिया इनपर मेहनत की बेहतर परिणाम मिले और इनके संपर्क में रहकर अनुभव हुआ कि दिव्यांग बच्चे विशेष होते हैं इन्हे विशेष ध्यान और देखभाल मिले तो ये बच्चे आत्मनिर्भरता के साथ अलग पहचान भी बना पाएंगे।ये बच्चेआज भी समाज में उपेक्षा के शिकार हैं सामान्य स्कुलों में इन बच्चों को प्रवेश तक नही मिलता आत्मनिर्भर बनना तो दूर ये बच्चे शिक्षा के अधिकार से भी वंचित रह जाते हैं।

जब डॉ सविता जी ने अपनी दूसरी संतान के रूप में भी बेटी को जन्म दिया मिलने आने वालों की खुशी की बजाय सहानुभूति और तीसरे बच्चे की सलाह ने इन्हें समाज के बेटियों और महिलाओं के प्रति नजरिये पर मंथन को विवश कर दिया। दिव्यांग बच्चों के साथ ही समाज का एक हिस्सा जिसमे महिलाएं बूढ़े व गरीब वर्ग शामिल हैं उपेक्षित हैं और इन्होंने विचार किया कि इन सामाजिक कुरीतियों दिव्यांगों के प्रति उपेक्षा, अशिक्षा, कन्याभ्रूणहत्या, दहेजप्रथा, बालमजदूरी, बच्चियों के साथ छेड़छाड़,महिलाओं और बुजुर्गों की उपेक्षा आदि इन सभी बुराइयों को जड़ से उखाड़ फेंकने की जरूरत है जिससे अच्छे देश व समाज का निर्माण हो सके इसी परिकल्पना के साथ अक्टूबर 2015 में मंथन फाउंडेशन चैरिटेबल ट्रस्ट रजिस्टर्ड नॉन प्रॉफिट ऑर्गेनाइजेशन बहरोड़ राजस्थान की नींव रखी गई।

संचालकद्वय कहते हैं इसके लिये हमे अपने बड़ों से मार्गदर्शन व मदद के अलावा कुछ सेवानिवृत शिक्षकों और स्वैच्छिक सेवाभावी 10 सदस्यों का सहयोग निरंतर प्राप्त होता रहता है। तभी हम इस संस्था के माध्यम से.. दिव्यांग बच्चों की थेरेपी शिक्षा,न्यूट्रीशियन,रिहेबिलेशन,स्पेशल ट्रेनिंग,शारीरिक मानसिक स्किल्स की सुधार,उनका रजिस्ट्रेशन,सर्टिफिकेट बनवाना,ऑपरेशन की व्यवस्था, उनके आत्मनिर्भरता के प्रयास, पेंशनलाभ, ट्रायसिकल, व्हीलचेयर, कैलिपर्स,श्रवणयंत्र आदि उपलब्ध कराना अब तक 170 बच्चे थेरेपी से लाभान्वित हो चुके हैं।पिछले दो साल से दिव्यांग बच्चों के लिये स्कूल चला रहे हैं जिसमें 40 बच्चे लाभान्वित हो रहे।इसके अलावा स्लम एरिया के बच्चों को शिक्षा से जोड़ने आर्थिक मदद दी जाती है ।11 बच्चों को गोद लेकर उनकी शिक्षा की जिम्मेदारी ली गई है।

सरकारी अस्पताल में जन्मी 135 कन्याओं का जन्मोत्सव मनाने के साथ परिवार को भेदभाव न करने हेतु प्रेरित किया गया। महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने सिलाई,कढ़ाई,पेंटिंग,लिफ़ाफ़े बनाने आदि का प्रशिक्षण के साथ आवश्यक सहायता उपलब्ध कराई जाती है।1000बालिकाओं को आत्मरक्षा का प्रशिक्षण दिया जा चुका है,लोंगो में सफाई के प्रति जागरूकता फैलाने के अभियान के तहत 22 सप्ताह तक रविवार को सफाई की गई। बच्चों एवं बड़ों के लिये निःशुल्क चिकित्सा शिविरों का आयोजन किया जाता है। पुरानी वस्तुओं का संग्रह कर जरूरत मन्दो को प्रदान किया जाता है।शहीद, प्रतिभावान तथा समाज मे सकारात्मक बदलाव लाने वालों का सम्मान,प्राकृतिक आपदाओं में आमजन की मदद से सहयोग राशि या सामग्री जरूरतमन्दों तक पहुंचाई जाती है,जलसंरक्षण,पौधरोपण, पशु,पक्षियों के हितार्थ जानकारी दी जाती है, नुक्कड़-नाटकों, रैली, हस्ताक्षर अभियान,कैम्प इत्यादि द्वारा स्वच्छता, एड्स,कन्या भ्रूण हत्या, गुडटच- बैडटच, पॉलीथिन के उपयोग पर रोक,सड़क सुरक्षानियम, मतदान,योग, नशामुक्ति,स्वास्थ्य आदि हेतु जानकारी देते हैं।

मंथन फाउंडेशन के संस्थापक डॉ पीयूष जी कहते हैं अपने सेवाभावी सदस्यों वसंती यादव,सुषमागोस्वामी,अमितकुमार यादव, दीपक जैन, घनश्याम यादव,भावना अग्रवाल,नीरजा जैन,कोमल जैन, रामसिंह मोरोड़िया,ललिता प्रजापत, मीना यादव,दीपक सैनी,सारिका जैन,मुकेश अग्रवाल,सांत्वना जैन के सहयोग से हमने कोरोना काल मे 2000 मास्क वितरण, बचाव हेतु जागरूकता अभियान, प्रथम पंक्ति के योद्धाओं पुलिस, सर्वेटीम, मीडिया, विद्युतकर्मी, बैंककर्मी, नरेगाकर्मी व उनके परिवारों सहित 10,000 लोगों को निःशुल्क होम्योपैथिक दवाई वितरण, 30प्रवासी मजदूरों के लिये एकरात रहने व खाने का प्रबंध किया गया आगे भी यथासंभव सामर्थ्यअनुसार सहयोग का प्रयास रहेगा।

मंथन को सद्प्रयासों के लिये अनेको सम्मान प्राप्त हुए हैं।श्री एवं श्रीमती गोस्वामी का मानना है शासन द्वारा दी जानेवाली सुविधाओं की प्रक्रिया की जटिलता यदि कम होकर सरल और पारदर्शी बन सके,तो शासन और इन बच्चों के बीच की दूरी कम होगी तथा अधिकांश बच्चे जुड़ सकेंगे अभी सर्वे में 30त्न केस ही रजिस्टर्ड होते हैं 70त्न गम्भीर केसेस छुपा लिये जाते हैं। गोस्वामी परिवार का समाजसेवा के प्रति ये जज़्बा अनुकरणीय और प्रणम्य हैं।

पता-मंथन फाउंडेशन चैरिटेबल ट्रस्ट गोस्वामीसदन, आई.सी.आई.सी.आई बैंक बहरोड़ राजस्थान- सम्पर्क -91-9887162278 91-9001981100,91-9351826138

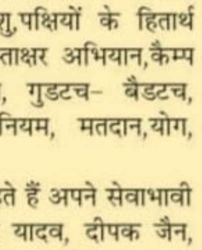

प्रस्तुति- मेनका वर्मा
मौलीप्रगतिनगर भिलाई
मो. 7587475075

दिलाई

समाजसेवी, थाना प्रभारी रामकिशोर चौधरी प्रदीप कुमार , विक्रम, करण, दिनेश, नीलम देवी, सरपंच रतिराम, दीपक, हेड कानि बलराम आदि मौजूद रहे।

ब्लॉक अध्यक्ष शोप्रकाश, सुधर नाहर सिंह, महेश, भीमसिंह, यशपाल सहित अनेक लोग मौजूद रहे।

इंटरनेशन दिव्यांग टैलेंट हंट शो उद्गम द बिगनिंग के प्रथम चरण का परिणाम घोषित

बहरोड (हुक्मनामा समाचार)। मंथन फॉउंडेशन द्वारा आयोजित इंटरनेशनल दिव्यांग टैलेंट हंट शो का परिणाम मंगलवार को मंथन कार्यालय पर फेसबुक लाइव के माध्यम से जारी किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत डांस दीवाने फेम व क्लासिकल डांसर मोनिका भारती द्वारा दीप प्रज्जवलन कर किया गया। परिणामों की जानकारी देते हुए डा. पीयूष गोस्वामी ने बताया कि इस सांस्कृतिक कार्यक्रमों के इस प्रथम चरण में देश विदेश से करीब 150 एंट्रीज प्राप्त हुई। जिसमें मानसिक मंद, डाउन सिंड्रोम, सेरेब्रल पाल्सी, श्रवन बधिता, दृष्टि बाधिता, आटिज्म एवं अन्य शारिरिक एवं मानसिक दिव्यांग बच्चों ने हिस्सा लिया। जिसमें अलग अलग केटेगरी, एज ग्रुप एवं प्रस्तुतियों के आधार पर विजेताओं की सूची तैयार की गयी। बच्चों, अभिभावकों एवं दिव्यांगता के क्षेत्र में कार्य कर रही विभिन्न संस्थाओं द्वारा इस आयोजन को काफी सराहा गया एवं इस आयोजन की मदद से निश्चित ही भविष्य में हमारे क्षेत्र के दिव्यांग ब%चों की प्रतिभाओं को खोजने, निखारने एवं प्रदर्शित करने की राह आसान होगी। साथ ही कार्यक्रम को होस्ट कर रही डा. सविता गोस्वामी ने जानकारी देते हुए बताया कि इस कार्यक्रम में दिव्यांगता के क्षेत्र में कार्य कर रही संस्था से कुछ विख्यात लोगों ने भी इस कार्यक्रम में हिस्सा लिया एवं मार्गदर्शन प्रदान किया। मुख्य वक्ता के रूप में प्रीति पटेल जो कि अंजिका सोसाइटी कोलकाता की निदेशक हैं, मणिपुरी डांस के माध्यम से पिछले दो दशकों से दिव्यांग बच्चों को देश विदेश में मंच प्रदान करने का कार्य कर रही हैं। उन्होंने बताया कि डांस से बच्चों की मोटर एवं मेन्टल स्किल डवेलप होती हैं। जिसे उन्होंने मूवमेंट थेरेपी का नाम दिया एवं बच्चे डांस के माध्यम से अपनी भावनाओं को आसानी से व्यक्त कर सकते हैं। साथ ही दिगी से एडवोकेट अनिता गुप्ता जो खुद भी दिव्यांग है एवं मा शक्ति इंटरनेशनल संस्था की फाउंडर भी हैं उन्होंने दिव्यांग बच्चों के अधिकारों एवं नियमों पर चर्चा की एवं दर्शकों को जागरूक करते हुए बताया किस प्रकार दिव्यांग एवं उनके परिवारजन इन सभी सुविधाओं को प्राप्त कर सकते हैं एवं अपने जीवन को सुगम बना सकते है। वक्ताओं के इस क्रम

में दिगी से ही डाउन सिंड्रोम फेडरेशन आफ इंडिया से मोटिवेशनल स्पीकर जो स्वयं एक डाउन सिंड्रोम बच्ची की माँ भी है ने अपने स्पीच से सभी को मोटिवेट किया।

उन्होंने बताया कि दिव्यांग बच्चों का आपके परिवार में होना एक कलंक नहीं बल्कि गर्व का विषय है। थोडा सा प्यार एवं थोडा सा सहयोग अगर आप इनको दें तो ये बहुत जल्दी आपको अपना बना लेते हैं एवं हर क्षेत्र में अपने को स्थापित करने की क्षमता भी रखते हैं। जजेज के रूप में लखनऊ से मंदाकिनी बहुगुना शास्त्री जो पिछले 35 वर्षों से दिव्यांग बच्चों के साथ कार्य कर रही हैं, एमपी से दिव्यांग होने के बाद भी अपने डांस के हुनर से अपनी पहचान बनाने वाले रवि शुक्ला, झारखंड से आकाशवाणी में प्रोग्राम मैनेजर के पद पर कार्यरत एवं मधुर आवाज की धनी सिंगर राखी झा, जिन्होंने दिव्यांगता को अपनी कमजोरी नहीं बनने दिया ने भी अपने सफर को दर्शकों के साथ शेयर किया।

...साथ-साथ पाटिंग करती रही। यह

'बेटियां बढ़ाती है समाज और देश का गौरव'

बहरोड़. कन्या जन्मोत्सव कार्यक्रम में मौजूद अतिथि।

बहरोड़ @ पत्रिका. मंथन फाउंडेशन की ओर से आयोजित कन्या रत्न जन्मोत्सव कार्यक्रम में बतौर मुख्यातिथि बोलते सतीश यादव बीचपुरी ने बेटी बचाओ बेटी अपनाओ व बेटी पढ़ाओ के साथ कन्या भ्रूण हत्या रोकने का संदेश देते कहा की बेटियां घर का ही नहीं बल्कि समाज और देश का गौरव है।

फाउंडेशन की ओर से शनिवार को सरकारी अस्पताल बहरोड़ में बत्तीसवां कन्या रत्न जन्मोत्सव कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में अस्पताल में जन्मी आठ कन्याओं को वस्त्र व मिठाई देकर स्वागत किया गया। वहीं फाउंडेशन की सचिव डॉ. सविता गोस्वामी ने बताया कि इस कार्यक्रम का उद्देश्य समाज में बेटियों के प्रति नकारात्मक रवैये में बदलाव लाना है। साथ ही दहेज प्रथा, बेटियों के साथ होने वाले दुर्व्यवहार को खत्म करना है। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के तौर पर सतीश यादव एवं उनकी धर्मपत्नी सुरेश देवी मौजूद रहे। सतीश व उनकी पत्नी ने हाल ही में जोधपुर अनाथालय से जीरो डे नवजात बेटी को गोद लेकर सोशल प्राइड कार्य किया था। जिस पर दम्पति को सम्मानित भी किया गया। दत्तक मां सुरेश देवी ने बताया 24 वर्ष के अनवरत प्रयासों के बाद भी उनको संतान प्राप्ति नहीं हुई तो उन्होंने नवजात को गोद लेकर बेटी धर्म निभा रहे है। कार्यक्रम में डॉ. पीयूष गोस्वामी, वसंती यादव, अमित कुमार यादव, दीपक भारद्वाज, शर्मिला गौड़, गुलशन भारद्वाज, रक्षिता अग्रवाल, प्राची अग्रवाल, ऊषा देवी, अस्पताल में जन्मी अन्य नवजात बेटियों के अभिभावक मौजूद रहे।

बीजवाड चौहान में क्रिकेट प्रतियोगिता का शुभारंभ

सोड़ावास . क्षेत्र के गांव बीजवाड चौहान में राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय के खेल मैदान पर शनिवार को क्रिकेट प्रतियोगिता का शुभारंभ हुआ। इस मौके पर

बह
गई

बहरोड़. अपनी दु यातायात आमजन है। तसींग दुकानदा लगाने से कर लिय लगी है। जाने वा है। जिस परेशानी सर्विस मैकेनि ही मर से वाह परेशानी और दु है। ऐसा समिति, जहां स कतारें

प्रशि आये

मुण्डाव जसाई परिसर हेल्थ दिवसीय आयोज अध्यक्ष मृदा पर प्रभारी व फसल बिंदुओं को वि निदेशक रामगोप

एनसीआर संदेश

मंथन ट्रस्ट कन्या रत्न जन्मोत्सव से दे रहा सामाजिक कुरीतियों को दूर करने का संदेश

अलवर। मंथन फाउंडेशन चैरिटेबल ट्रस्ट द्वारा राजकीय रैफरल अस्पताल बहरोड़ में 33वां कन्या रत्न जन्मोत्सव कार्यक्रम मनाया गया। कार्यक्रम संयोजक वसंती यादव ने बताया कि अस्पताल में जन्मी जोणायचा खुर्द की नवजात बच्ची को वस्त्र, खिलौने देकर, नन्हें हाथों पर नज़रिया बांधकर व उपस्थित लोगों को मिठाई बाँटकर कन्या रत्न जन्मोत्सव की खुशियाँ मनाई गई। इस कार्यक्रम का उद्देश्य समाज में बेटियों के प्रति नकारात्मक रवैये में बदलाव लाना है। साथ ही दहेज प्रथा, बेटियों के साथ होने वाले दुर्व्यवहार को खत्म करना है। उन्होंने आमजन को संदेश दिया कि बेटे और बेटी में कोई भेद नहीं है।

बेटियों को भी बेटे के समान अच्छी शिक्षा देने की आवश्यकता है ताकि वे आत्मनिर्भर बन सके। इस दौरान डॉ. पीयूष गोस्वामी, डॉ. सविता गोस्वामी, अमित कुमार यादव, शर्मिला गौड़, घनश्याम, चिन्मयी गोस्वामी, पार्थ यादव सहित अस्पताल स्टॉफ व अन्य लोग उपस्थित रहे।

आदि उपस्थित रहे।

सरकारी अस्पताल में मनाया कन्या जन्मोत्सव कार्यक्रम

बहरोड़ (नि.सं.)। मंथन फाउंडेशन चैरिटेबल ट्रस्ट द्वारा रविवार को राजकीय रेफरल अस्पताल बहरोड़ में तैंतीसवा कन्या रत्न जन्मोत्सव कार्यक्रम मनाया गया। कार्यक्रम संयोजक वसंती यादव ने बताया कि अस्पताल में जन्मी जोणायचा खुर्द की नवजात प्यारी बच्ची को वस्त्र, खिलौने देकर, नन्हें हाथों पर नज़रिया बांधकर व उपस्थित लोगों में मिठाई बाँटकर उसके जन्मोत्सव की खुशियाँ मनाई गई। इस कार्यक्रम का उद्देश्य समाज में बेटियों के प्रति नकारात्मक रवैये में बदलाव लाना है साथ ही दहेज प्रथा, बेटियों के साथ होने वाले दुर्व्यवहार को खत्म करना है। साथ ही उन्होंने संदेश दिया कि बेटे और बेटी में कोई भेद नहीं है। बेटियों को भी बेटे के समान अच्छी शिक्षा देने की आवश्यकता है ताकि वे आत्मनिर्भर बन सके। इस दौरान डॉ. पीयूष गोस्वामी, डॉ. सविता गोस्वामी, अमित कुमार यादव, शर्मिला गौड़, घनश्याम, चिन्मयी गोस्वामी, पार्थ यादव सहित अस्पताल स्टॉफ व अन्य जन उपस्थित रहे।

आदिवासी मीणा समाज बैठक का आयोजन

बेटी का कन्यादान सम्पूर्ण समाज की जिम्मेदारी: डॉ सविता गोस्वामी

अलवर कासं। मंथन फॉउन्डेशन चैरिटेबल ट्रस्ट द्वारा बुधवार को दो जरूरतमंद कन्याओ के विवाह हेतु चेक व अन्य सामग्री दी गयी। डॉ. सविता गोस्वामी ने बताया कि इस कोरोना काल ने सभी के जीवन को अस्त व्यस्त कर दिया है, कोई स्वास्थ्य से परेशान है तो किसी को आर्थिक तंगी ने तोड़ दिया है। इसी आर्थिक परेशानी को झेलते हुए एक परिवार जिसमे 2 कन्याओ का विवाह हैए चिंता के दौर से गुजर रहा था। उनकी मदद हेतु मंथन फॉउन्डेशन चैरिटेबल ट्रस्ट द्वारा कन्यादान स्वरूप कन्याओ के पिता को 11 हजार का चेक दिया गया व साथ ही साड़िया व शॉल भी आशीर्वाद स्वरूप दी गयी। उक्त उद्देश्य की पूर्ति हेतु भामाशाह के रूप में संजय मीर, वसंती यादव, डॉ. पीयूष गोस्वामी, अमित कुमार यादव, सुषमा गोस्वामी व भावना अग्रवाल का विशेष सहयोग रहा। इस दौरान संजय मीर ने अपने वक्तव्य में अपने विचार रखते हुए कहा कि सनातन संस्कृति में कन्यादान को महादान माना गया है। एक नवजीवन का शुभारम्भ करने के लिए जब एक बिटिया घर से विदा होती है जो साथ ले जाती है अपनो का आशीर्वाद और दुआएँ। और उनका कन्यादान सम्पूर्ण समाज की नैतिक जिम्मेदारी है। साथ ही उनके द्वारा मंथन द्वारा नि:स्वार्थ व निरंतर समाज में किये जा रहे सेवा कार्यो की सराहना की गई।

दिव्यांगजनों को बचपन में ही शिक्षा व स्वास्थ्य की सुविधा मुहैया करा दी जाए तो उनके चेहरों पर स्थायी मुस्कान बिखेरी जा सकती है : डॉ. सविता गोस्वामी

मयंक शर्मा

बहरोड। गरीब तबका के ऐसे ही बच्चों को आत्म निर्भर बनाने के लिए बहरोड की समाजसेवी संस्था मंथन फाउंडेशन का प्रयास अब औरों के लिए एक मिसाल बन गया है। संस्था की निदेशक डॉ. सविता गोस्वामी का कहना है की कई बार परिवार की गरीब परिस्थिति के चलते ही दिव्यांगों को मानसिक सहयोग भी नहीं मिल पाता है। ऐसे वक्त दिव्यांग अन्दर से टूट जाते है। ऐसे बच्चों का मंथन फाउंडेशन संस्था राह दिखाती है। संस्था के सदस्य गांव-गांव घूम कर गरीब तबका के दिव्यांग बच्चों की तलाश भी करते है। इनके परिजनों की सहमति से इन दिव्यांग बच्चों को आयुष अस्पताल में लाकर उन्हे थैरेपी, नि:शुल्क शिक्षा, स्वास्थ्य, खेल की सभी सुविधा मुहैया कराई जाती है इन दिनों मंथन संस्था द्वारा संचालित आयुष अस्पताल भवन में आस-पास के ग्रामीण अचंल के बच्चों को आत्म निर्भर बनाया जा रहा है। इनमें दृष्टि बाधित, पैरों से निश्क्त तथा मानसिक रोगी भी है। सभी बच्चों के लिए उनकी रूचि के अनुसार वातावरण तैयार करने से ये अपनी विकलांगता को कमजोरी नहीं समझ रहे है बल्कि एक चुनौती मान कर बचपन से ही उत्कृष्ट कार्यो में व्यस्त रहने लगे है। कंयर टेकर डॉ. पीयूष गोस्वामी का कहना है कि कई बार ऐसे बच्चों की मन की बात को उनके चेहरों से समझना पडता है। इन बच्चों को भरपूर प्यार दिया जाए तो ये अपनी क्षमता से कई गुना अधिक परिश्रम करने से पीछे नहीं हटते है। यही कारण है कि अपने परिजनों से दूर रहने वाले इन दिव्यांग बच्चों की बातों को भलिभांति समझने के साथ उनके हित की बातों को भी आसानी से समझाना पडता है। इसके पहले दिव्यांग बच्चों के साथ काम करने वाली बसन्ति यादव का कहना था कि दिव्यांगों पर कई बार लोग जाने अनजाने में छींटाकशी करने से बाज नहीं आते। ऐसे वक्त भुक्तभोगी की मनोदशा को आसानी से पडा जा सकता है।

इसी वजह दिव्यांग बच्चों को हर परिस्थिति का सामना करने के लिए तैयार रखना पडता है।

मंथन का एक प्रयास

समाजसेवी संस्था मंथन वर्तमान में 40 विशेष बच्चों को प्रशिक्षण देकर आत्मनिर्भर बना रही हैं व साथ ही सहायक सामग्री भी उपलब्ध करवा रही हैं ।

संस्था द्वारा किये गए कार्य-

1. मंथन दिव्यांग रिहैबिलिटेशन सेन्टर- विभिन्न थेरेपी जैसे फिजियोथेरेपी, ऑक्यूपेशनल थेरेपी, स्पीच थेरेपी आदि द्वारा बच्चे को दैनिक कार्यों के लिए योग्य बनाना

2. मंथन स्पेशल स्कूल- बच्चों को शिक्षा प्रदान करना जैसे बच्चे का सामाजिक, व्यवहारिक, कार्य कुशलता आदि को विकसित करना ताकि वे सामान्य जीवन यापन कर सकें।

3. मंथन दिव्यांग वोकेशनल सेन्टर- बच्चों को रोजगार के अवसर के लिए तैयार करना जिसमें आर्ट क्राफ्ट, कंप्यूटर, सिलाई, डांस, म्यूजिक आदि गुणों का विकास करना ताकि बच्चे आत्मनिर्भर बन सकें।

4. सीबीआर सेन्टर- ग्रामीण इलाकों में बच्चों को शिक्षा एवं थेरेपी देना।

5. जागरूकता अभियान- दिव्यांगता के कारण एवं इससे बचने के उपायों के बारे में लोगों को जागरुक करना।

मंथन से हुआ दिव्यांग बच्चों का सपना पूरा

बहरोड़। कस्बे में स्थित मंथन फाउंडेशन पिछले कई वर्षों से दिव्यांग बच्चों की सेवा में निरंतर है।भगवती पब्लिक स्कूल संचालक रिंकेश कुमार यादव ने बताया कि हमने अनेक दिव्यांग बच्चों को गली में पागल की भांति घूमते हुए,घर के बाहर जंजीरों से बंधे हुए या सड़कों पर भीख मांगते हुए देखा हैं। लेकिन पिछले कई वर्षों से मंथन फाउंडेशन की वजह से क्षेत्र में हमने बहुत से दिव्यांग बच्चों कि जिंदगी में परिवर्तन देखा है। जो बच्चे ठीक से खड़े नहीं हो सकते हमने उन बच्चे को मंथन प्रांगण में नृत्य करते हुए देखा है। जिन बच्चों को अपने आप की समझ नहीं है उसे मंथन के माध्यम से इशारों में संपूर्ण परिवार का परिचय करवाते हुए देखा है। यह बहुत बड़ी बात है सामाजिक कार्य करना कहें तो आज धरातल रूप में मंथन से बड़ा कोई उदाहरण नहीं हो सकता। आशा करते हैं कि आगे भी इस क्षेत्र के दिव्यांग बच्चों के लिए भगवान रूप धारण किए हुए फाउंडेशन हमेशा सेवा में रहे।

होम्योपैथिक दवा व मास्क बांटे

बहरोड़. होम्योपैथिक दवा देते हुए मंथन फाउंडेशन चैरिटेबल ट्रस्ट सदस्य।

बहरोड़| मंथन फाउंडेशन चैरिटेबल ट्रस्ट द्वारा कोरोना महामारी के बचाव एवं रोकथाम के लिए फ्रंट लाइन वर्कर्स को निशुल्क होम्योपैथी दवा का वितरण किया गया। फाउंडेशन की डॉ. सविता गोस्वामी ने बताया कि शनिवार को श्रीपंचमुखी हनुमान सेवा समिति के कार्यकर्ताओं एवं उनके परिवार को दवा के 150 किट 100 मास्क दिए गए। समिति अध्यक्ष सीताराम गुप्ता व शिवकुमार शर्मा को सम्मानित किया गया। इस दौरान आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं को रिपीट खुराक की 50 किट दी गई। फाउंडेशन द्वारा करीब 5 हजार लोगों को इस दवाई का वितरण किया जा चुका है।

मंथन ने बांटे 300 मास्क, आगे भी रहेंगे जारी-डॉ गोस्वामी

बहरोड़। एक तरफ जहां अग्रिम पंक्ति के कार्यकर्ता,समाजसेवी संस्था,स्वयंसेवक कंधें से कंधा मिलाकर दिन रात कोरोना के खिलाफ जंग में अपनी सेवाएं दे रहे हैं।वहीं मंथन फाउंडेशन टीम की महिलाओं द्वारा इन योद्धाओं की सुरक्षा के लिए मास्क बनाये जा रहे हैं।डॉ0 सविता गोस्वामी ने जानकारी दी कि उनकी टीम द्वारा घर पर ही ये मास्क तैयार किये जा रहे हैं।जो कि रीयूजेबल हैं एवं पूरी तरह सुरक्षित हैं।संस्था द्वारा इनका वितरण शुरू कर दिया है। साथ ही उन्होंने बताया कि पिछले तीन दिनों में फाउंडेशन द्वारा नगर पालिका, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग, मीडिया बंधुओ, छिड़काव द्वारा इस जंग के योद्धा फायर विभाग, सफाई कर्मचारियों समेत विभिन्न सामाजिक संगठनों के करीब 300 लोगों को सुरक्षा के लिये मास्क प्रदान किये गए एवं इस कार्य को आगे भी जारी रखा जाएगा।इस कार्य में उन्हें ललिता प्रजापत,सुषमा गोस्वामी, वसंती यादव,नीलम अग्रवाल,सुनील गोयल,डॉ.पीयूष गोस्वामी,अमित कुमार यादव,रेणु गोयल,दिव्या,आदित्य यूनिफार्म आदि का सहयोग प्राप्त हो रहा है।

कोरोना के खिलाफ गृहणियों ने संभाले मोर्चे-मंथन बांट रहा मास्क

बहरोड। एक तरफ जहां अग्रिम पंक्ति के कार्यकर्ता,समाजसेवी संस्था,स्वयंसेवक कंधें से कंधा मिलाकर दिन रात कोरोना के खिलाफ जंग में अपनी सेवाएं दे रहे हैं।वहीं मंथन फाउंडेशन टीम की महिलाओं द्वारा इन योद्धाओं की सुरक्षा के लिए मास्क बनाये जा रहे हैं।डॉ0 सविता गोस्वामी ने जानकारी दी कि उनकी टीम द्वारा घर पर ही ये मास्क तैयार किये जा रहे हैं।जो कि रीयूजेबल हैं एवं पूरी तरह सुरक्षित हैं।संस्था द्वारा इनका वितरण शुरू कर दिया है। साथ ही उन्होंने बताया कि पिछले तीन दिनों में फाउंडेशन द्वारा नगर पालिका, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग, मीडिया बंधुओ, छिड़काव द्वारा इस जंग के योद्धा फायर विभाग, सफाई कर्मचारियों समेत विभिन्न सामाजिक संगठनों के करीब 300 लोगों को सुरक्षा के लिये मास्क प्रदान किये गए एवं इस कार्य को आगे भी जारी रखा जाएगा।इस कार्य में उन्हें ललिता प्रजापत,सुषमा गोस्वामी, वसंती यादव,नीलम अग्रवाल,सुनील गोयल,डॉ0 पीयूष गोस्वामी,अमित कुमार यादव,रेणु गोयल,दिव्या,आदित्य यूनिफार्म आदि का सहयोग प्राप्त हो रहा है।

मंथन ने प्रशासन को सौंपे मास्क व नि:शुल्क होम्योपैथी दवाई भी करेंगे वितरित

बहरोड़। कोरोना वायरस के चलते जहाँ पूरे देश में लॉक डाउन है।वहीं अस्त व्यस्त जिंदगी को पटरी पर लाने के लिए सैकड़ों योद्धा दिन रात अपनी सेवाएं दे रहे हैं।इसी दिशा में मंथन फाउंडेशन की महिलाओं ने अग्रिम पंक्ति के कार्यकर्ताओं एवं आम जन की सुरक्षा के लिए हाथ से सिलाई कर रीयूजेबल मास्क बनाने का बीड़ा उठाया है।इसी पंक्ति में मंगलवार को एसडीएम कार्यालय में आयोजित मीटिंग में संस्था की डॉ. सविता गोस्वामी, डॉ. पीयूष गोस्वामी व अमित यादव द्वारा 400 मास्क प्रशासन को वितरण के लिए सौंपे गए।संस्था द्वारा गत एक माह से निरंतर मास्क वितरण सेवा जारी है तथा अभी तक करीब 1600 मास्कों का वितरण किया जा चुका है।

विधायक बलजीत यादव द्वारा संस्था द्वारा किये जा रहे इन प्रयासों की प्रसंशा की गई।साथ ही संस्था की डॉ. सविता गोस्वामी जो पेशे से होम्योपैथिक चिकित्सक भी हैं ने एसडीएम संतोष मीणा से अग्रिम पंक्ति के कार्यकर्ताओं की रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाने के लिए आयुष मंत्रालय द्वारा जारी की गई ऐडवाईसरी के अनुसार निःशुल्क होम्योपैथी दवा वितरण का प्रस्ताव रखा।जिसके लिए प्रशासन ने अपनी सहर्ष सहमति प्रदान की। इस अवसर पर विधायक बलजीत यादव, एसडीएम संतोष कुमार मीणा, नगरपालिका कमिश्नर मनीषा यादव, तहसीलदार रोहताश, विकास अधिकारी पोप सिंह उपस्थित रहे।

लाबाजारी

के सामान का

क दाम

व्यापारियों का कहना है कि वे खुद थोक व्यापारियों से अधिक दामों में सामान खरीद कर ला रहे हैं। इसीलिए सामानों को उन्हें अधिक कीमतों पर बेचना पड़ रहा है। सरकार ने 14 अप्रेल तक पूरे देश में लॉकडाउन की घोषणा की गई है। इसके चलते ग्रामीणों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। वहीं सामानों की कालाबाजारी भी शुरू हो गई है। ग्रामीणों को रोजमर्रा के सामानों के लिए अधिक दाम चुकाना पड़ रहा है। व्यावसायी लॉकडाउन का भरपूर फायदा उठाकर लोगों को ठगने से बाज नहीं आ रहे हैं। किराना, सब्जी विक्रेता अपनी दुकानें खोल कर लोगों को उपलब्ध सामग्री मुहैया तो करा रहे हैं। मगर समय का फायदा उठाते हुए अधिक मूल्य पर समान बेच रहे हैं। जिस तरफ प्रशासन कोई ध्यान नहीं दे रहा है और लोग मजबूरी में ठगे जा रहे हैं। ग्रामीणों ने प्रशासन से इन दुकानदारों पर कार्रवाई करने की मांग की। जिससे कि उचित मूल्य पर सामग्री उपलब्ध हो सके।

नहीं कर रहे लॉक डाउन की पालना: पूरे देश में लॉक डाउन होने के बाद भी गांव में सुबह शाम पहले जैसी ही दिनचर्या बनी हुई है। लोग किराना की दुकानों के पास एकत्रित होकर ताश खेलते रहते हैं। वही शाम को गांव में जगह जगह टोली बनी रहती है।

कोरोना की जंग में गृहणियों ने संभाला मोर्चा, मास्क बना कर रही वितरण

बहरोड़ @ पत्रिका. एक तरफ जहां अग्रिम पंक्ति के कार्यकर्ता, समाजसेवी संस्था, स्वयंसेवक कंधें से कंधा मिलाकर दिन रात कोरोना के खिलाफ जंग में अपनी सेवाएं दे रहे हैं। वहीं मंथन फाउंडेशन टीम की महिलाओं ने इन योद्धाओं की सुरक्षा के लिए मास्क बनाए जा रहे हैं।

डॉ. सविता गोस्वामी ने जानकारी दी कि उनकी टीम ने घर पर ही ये मास्क तैयार किए जा रहे हैं जो कि रीयूजेबल हैं एवं पूरी तरह सुरक्षित हैं। संस्था ने इनका वितरण शुरू कर दिया है। उन्होंने बताया कि पिछले तीन दिनों में फाउंडेशन ने नगर पालिका, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग, मीडिया बंधुओं, छिड़काव कर इस जंग के योद्धा फायर विभाग, सफाई कर्मचारियों समेत विभिन्न सामाजिक संगठनों के करीब 300 लोगों को सुरक्षा के लिए मास्क प्रदान किए गए एवं इस कार्य को आगे भी जारी रखा जाएगा।

अलवर। दिनभर दाना-पानी की तलाश में भटकने वाले पक्षियों को आहार और जल मुहैया कराने का जिम्मा मेवात युवा संगठन ने उठाया है। संगठन के प्रवक्ता मुहम्मद शाहुन ने बताया कि संगठन के पदाधिकारियों ने संकट के दौर व तेज धूप को देखते हुए बेजुबान पशु-पक्षियों के दाने-पानी की जिम्मेदारी उठाने का संकल्प लिया है। उन्होंने संगठन के प्रत्येक कार्यकर्ता व पदाधिकारी से आग्रह किया है कि वे अपने आंगन या घर की छत, आसपास लगे पेड़ों पर पशु-पक्षियों के लिए पानी के परिंडे बांधे। ताकि तेज गर्मी से पक्षियों को राहत मिल सके।

63वर्षीय वसंती घर पर बना रही मास्क

बहरोड़। कोरोना वायरस संक्रमण से आमजन को बचाने के लिए मंथन फाउंडेशन की संरक्षिका 63वर्षीय वसंती यादव इन दिनों घर पर रहकर मास्क तैयार कर रही है। वसंती ने बताया कि घर पर तैयार किये गए

इन मास्कों को क्षेत्र में कोरोना से जंग लड़ रहे पुलिसकर्मी, मेडिकल स्टाफ, सफाई कर्मचारी आदि को वितरित किये गए है। अब तक करीब 400 मास्क तैयार किये जा चुके है। यह कड़ी आगे भी निरंतर जारी है। फाउंडेशन की डॉ.सविता गोस्वामी ने बताया कि फाउंडेशन से जुड़ी महिलाएं घर पर रहकर मास्क बनाने के कार्य में जुटी है। अब तक करीब 1200 मास्क तैयार कर वितरित किये जा चुके है।

पीएम कोरोना रिलीफ फंड में दी राशि

अलवर। श्री आदिनाथ जैन शिक्षण संस्थान की और से वैश्विक महामारी कोरोना वायरस से निपटने के लिए पीएम रिलीफ फंड में सहायता राशि

बैंककर्मियों को सम्मानित कर कोरोना की रोकथाम एवं बचाव के लिए बांटी दवाई

बहरोड । मंथन फॉउंडेशन चैरिटेबल ट्रस्ट द्वारा शुक्रवार को बहरो? की ऑफिसर्स कॉलोनी के सामने स्थित एसबीआई बैंककर्मियों को कोरोना वारियर्स के रूप में अंग वस्त्र से सम्मानित किया गया ।साथ ही ट्रस्ट सेक्रेटरी एवं होम्योपैथी विशेषज्ञ डॉ0 सविता गोस्वामी द्वारा बैंक में कार्यरत सभी स्टाफ एवं उनके परिवार के लिये कोरोना से बचाव एवं रोकथाम के लिए नि:शुल्क दवाई के 60 किट भी वितरित किये गए ।डॉ0 गोस्वामी ने बताया कि बैंक में सैक?ों लोगों से सीधे संपर्क में आने के कारण बैंककर्मियों संक्रमण का खतरा होता है ।लेकिन इसके बावजूद कोरोना के इस दौर में भी बैंक कर्मी नियमित अपनी सेवाएं दे रहे हैं ।जो कि काबिले तारीफ है ।इसी को ध्यान रखते हुए ट्रस्ट द्वारा बैंककर्मियों का सम्मान किया गया ।एवं कोरोना से बचाव एवं रोकथाम के लिए नि:शुल्क होम्योपैथी दवाई का वितरण भी किया गया ।इसी अवसर पर बैंक मैनेजर शैलेश चंद्र प्रसाद ने कहा कि ट्रस्ट द्वारा किये गए सम्मान से सभी बैंक कर्मी खुश हैं एवं इससे उनमें नई ऊर्जा एवं स्फूर्ति का संचार हुआ है ।साथ ही उन्होंने फाउंडेशन द्वारा कोरोना से बचाव के लिए दी गयी दवाइयों के लिये ट्रस्ट का धन्यवाद दिया ।इस अवसर पर ट्रस्ट के फाउंडर डॉ0 पीयूष गोस्वामी,अध्यक्ष अमित कुमार यादव,शुचि गोयल,प्रदीप यादव,राम फूल मीणा,ब्रह्म प्रकाश,अनिल शर्मा,बालकिशन उपस्थित रहे।

को पढ़ा कर हारी थकी घर आती थी। लेकिन अपनी सारी थकान को

ा सेवा में जुटे

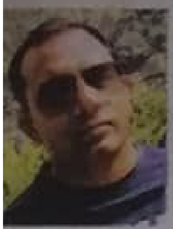

विकास

ऑफिसर, सतीश यादव गुरुग्राम के नीलकण्ठ हॉस्पिटल में नर्सिंग ऑफिसर, सुषमा यादव दिल्ली के सबदरजंग अस्पताल मे र्सिंग ऑफिस, राजबाला यादव दिल्ली के भगवान महावीर अस्पताल नर्सिंग ऑफिसर के रूप में कोरोना क्रमितों का इलाज करने की ड्यूटी त डेढ़ माह से कर रहे हैं। परिवार से र रह कर देश सेवा में जुटे कोरोना द्धाओं पर ग्रामीणों को गर्व है। वहीं भी योद्धा अपने परिवार जनो व ामीणों ,दोस्तों व रिस्तेदारों को कोरोना से डरने की बजाय आवश्यक ावधानियां रखने की सीख देते हुए शोशलडिस्टेंसिंग की पालना करते ए जरूरी काम से ही घर से निकलने र मास्क लगाकर रहने की बात कह हे हैं। सभी कोरोना योद्धाओं के बेटे-टी व अन्य अपने माता-पिता तथा ास ससुर के पास रह रहे हैं। जिनकी ाद आने पर मोबाइल के वीडियो कॉल के जरिये अपना मन हल्का कर ाहस के साथ कोरोना की लड़ाई मे पना फर्ज निभा रहे हैं।

रेगा मजदूर परेशान

हा है। मनरेगा श्रमिकों का कहना है कि नके पिछले एक साल से मजदूरी के पए अभी तक नहीं मिले हैं साथ ही बकि कई पखवाड़ो में किए गए कार्य ी मजदूरी भी नहीं मिल पाई है इस ापदा में श्रमिकों की मजदूरी नहीं लने से आर्थिक तंगी को झेल रहे हैं। मिकों ने मनरेगा के उच्च धिकारियों से जल्द मजदूरी के ुगतान की मांग की है।

ें बच्चों को भारतीय र पौराणिक इतिहास

आते हैं। ऐसे में मां की प्रेरणा से ही जयपुर में रहकर पढ़ाई पूरी कर

विद्युतकर्मियों का किया सम्मान, बांटी होम्योपैथी दवाई

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

बहरोड़. मंथन फॉउंडेशन चैरिटेबल ट्रस्ट की ओर से विद्युत निगम के बहरोड़ स्थित एईएन एवं एक्सईएन ऑफिस में कार्यरत करीब 200 विद्युतकर्मियों के लिए कोरोना से बचाव एवं रोकथाम के लिए निःशुल्क होम्योपैथी दवाइयां दी गई। इस अवसर पर ट्रस्ट सचिव एवं होम्योपैथी विशेषज्ञ डॉ. सविता गोस्वामी ने बताया कि सम्पूर्ण लॉक डाउन के समय घरों की विद्युत सेवाएं बाधित न हों इसके लिए विद्युतकर्मी दिन रात अपनी सेवाएं दे रहे हैं। साथ ही आंधी तूफान के समय एवं आगामी मानसून एवं गर्मी के सीजन के लिए रूटीन रखरखाव का कार्य भी जारी है जो कि प्रशंसनीय है। ट्रस्ट द्वारा इन कोरोना कर्मवीरों को सम्मानित किया एवं कोरोना से बचाव के लिए सभी विद्युतकर्मी एवं उनके परिवार के लिए निःशुल्क होम्योपैथी दवाई भी उपलब्ध कराई गई। इस अवसर पर निगम के एक्सईएन पीडी सैनी ने कहा ट्रस्ट द्वारा दिए गए सम्मान से सभी कर्मचारियों में उत्साह एवं नई ऊर्जा का संचार होगा। वहीं एईएन प्रशांत शर्मा ने ट्रस्ट द्वारा दिए गए सम्मान एवं विद्युतकर्मियों के लिए उपलब्ध कराई दवाइयों के लिए ट्रस्ट को धन्यवाद दिया। इस अवसर पर ट्रस्ट के डॉ. पीयूष गोस्वामी, एक्सईएन पी डी सैनी, एईएन प्रशांत शर्मा, लाइन मैन दिनेश, अभिमन्यु, वेदप्रकाश, कपिल विद्युतकर्मी उपस्थित थे।

पेयजल समस्या का हुआ निदान

हैं। इसलिए ग्राम पंचायत क सरपंच राम उर्फ भोला यादव थाना प्रभारी हरदयाल यादव होकर ठोस कदम उठाने क किया है। गांव डुडिया खुर्द से के गांव को जाने वाले सभी क जेसीबी से खुदवा कर बंद हैं। संरपच राम भोला ने बताया नासमझ लोगों के कारण सभी भय में रह रहे थे। समस्त ग्राम की जीवन की रक्षा के लि सम्भव प्रयास करना मेरा कर पंचायत की बैठक में सर्वस निर्णय किया गया कि गांव के मु को छोड़कर सभी मार्ग बंद क प्रवेश करने वाले व्यक्ति की ज कर सन्तुष्टि पूर्वक कारण होने गांव में प्रवेश दिया जाएगा।

रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने के लिए बांट रहे होम्योपैथी दवाई

बहरोड़. मंथन फाउंडेशन अग्रिम पंक्ति के कार्यकर्ताओं को निःशुल्क होम्योपैथिक दवाई वितरित कर रहा है। संस्था की डॉ. सविता गोस्वामी ने बताया कि सोमवार को ट्रस्ट की ओर से जितेन्द्र सिंह सोलंकी थानाधिकारी बहरोड़ को पुलिसकर्मियों में वितरण के लिए 100 किट अर्थात 400 लोगों के लिए होम्योपैथीक दवाई सौंपी गई। इस अवसर पर संस्थापक डॉ.पीयूष गोस्वामी ने एसएचओ जितेन्द्र सोलंकी को वस्त्र देकर सम्मानित भी किया गया।संस्था की ओर से कोरोना योद्धाओं जैसे प्रशासन, चिकित्साकर्मियों, आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं, पत्रकारों, सफाई कर्मचारियों एवं सामाजिक संस्थाओं के लिए यह निःशुल्क वितरण जारी रहेगा।

सामाजिक कार्यकर्ताओं की सुरक्षा हमारी प्राथमिक जिम्मेदारी

बहरोड। मंथन फाउंडेशन की तरफ से द आर्टिस्ट मानव सेवा समिति को होम्योपैथी दवाई के किट प्रदान किए। डॉ0 सविता गोस्वामी ने बताया कि उनके द्वारा इन सभी योद्धाओं को कोरोना वायरस से बचाव एवं रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढाने के उद्देश्य से होम्योपैथी दवाई के 70 किट उपलब्ध कराए गए ।साथ ही समिति द्वारा किए जा रहे उत्तम कार्य के लिये उनको धन्यवाद ज्ञापित किया गया एवं अंग वस्त्र देकर सम्मानित किया गया ।और उनके द्वारा कोरोना संक्रमण से बचाव के लिये कार्यरत अग्रिम पंक्ति के योद्धाओं एवं सामाजिक संगठनों एवं उनके परिवारों के लिये नि:शुल्क होम्योपैथी दवाई का वितरण किया जा रहा है ।अभी तक संस्था द्वारा करीब 200 किट यानी कि करीब 800 लोगों के लिये दवाई वितरित की जा चुकी है ।दवाई वितरण के समय डॉ0 पीयूष गोस्वामी,उत्तम मेहरा,राम मुखर्जी,ललिता प्रजापत उपस्थित थे।

दिव्यांग बच्चों ने दी मातृ दिवस की शुभकामनाएं

बहरोड । मंथन फॉउन्डेशन चैरिटेबल ट्रस्ट द्वारा संचालित दिव्यांग बाच्चो के नि:शुल्क विद्यालय मंथन स्पेशल स्कूल के बाच्चो द्वारा मातृदिवस मनाया।मंथन संस्थापक डॉ0 पीयूष गोस्वामी ने बताया कि गत वर्ष इन बच्चों ने अपनी माताओं के साथ मातृ दिवस धूम धाम से मनाया था।पर इस वर्ष लॉक डाउन के कारण यह संभव नहीं हो पाया।तो बच्चों ने अपने घर से मंथन व्हाट्सएप्प ग्रुप में माँ के साथ अपनी यादगार फोटो भेजकर मातृदिवस मनाया सभी को मातृ दिवस की शुभकामनाएं भेजी एवं लोगों को घर में ही अपने परिवार के साथ रहने तथा अपनी माँ का सदैव आदर व सम्मान करने का संदेश दिया एवं ज्योति, मीनाक्षी, अमन, सुमित, तवनी, मालिक,अर्चित,अक्ष,आशु सहित सभी बच्चो ने बडे उत्साह के साथ इस कार्य मे भाग लिया। इन विशेष बाच्चो की माताओं को उनके समर्पण भाव के लिए दिल से स्लैम किया व उनका आभार व्यक्त किया।उल्लेखनीय है कि लॉक डाउन के चलते बच्चों का अध्ययन कार्य प्रभावित हुआ है।दिव्यांग बच्चों के शारीरिक मानसिक एवं शैक्षिक विकास में कोई बाधा न आये इसी बात को ध्यान में रखते हुए बच्चों को निरंतर ऑनलाइन क्लासेज दी जा रही हैं।अलग अलग दिव्यांगता लिये इन सभी बच्चों की अलग अलग जरूरते हैं।उसी के आधार पर इन्हें गृहकार्य दिया जाता है।बच्चे नियमित अपना गृह कार्य एवं एक्सरसाइज की फोटो एवं वीडियो व्हाट्सअप ग्रुप पर भेजते हैं।इस कार्य में घनश्याम यादव एवं डॉ0 सविता गोस्वामी का भी अहम सहयोग मिल रहा है।

दैनिक भास्कर
03-May-2020
बहरोड़-नीमराना भास्कर Page 2

नरेगा श्रमिकों रोग प्रतिरोधकता बढ़ाने की दवा बांटी

भास्कर न्यूज़ | बर्डोद

ग्राम पंचायत कारोडा के ग्राम नालपुर में पहाड़ी तलहटी में जोह छंटाई और बर्डोद में ग्रेवल सड़क निर्माण में लगे नरेगा श्रमिकों को मंथन फाउंडेशन ने होम्योपैथी दवा सरपंचों को उपलब्ध कराई। नर्सिंग कर्मी जितेन्द्र यादव ने सरपंच सुरेखा मनोज की उपस्थिति में इनका वितरण किया। मंथन फाउंडेशन की होम्योपैथी विशेषज्ञ डॉ. सविता गोस्वामी और डॉ. पीयूष गोस्वामी ने बताया दवा श्रमिकों तथा कोरोना वारियर्स को दी जा रही है। इस दवा को लेने से रोगों से लड़ने की क्षमता बढ़ेगी। इस अवसर पर नरेगा मैट विकास चौधरी, धर्मेंद्र चौधरी, स्वास्थ्य विभाग की टीम के निरंजन, कंचन और पूर्व वार्ड पंच सहित नरेगा श्रमिक उपस्थित रहे।

दिव्यांग बच्चो को लुभा रही ऑनलाइन क्लासेज

बहरोड (नि.सं.)। कोरोना संक्रमण दिव्यांग बच्चों की प्रगति को अवरुद्ध ना कर सके इसी उद्देश्य से मंथन स्पेशल स्कूल द्वारा दिव्यांग बच्चो हेतु ऑनलाइन कक्षाएं प्रारम्भ कर दी गई है। विद्यालय निदेशक डॉ. पीयूष गोस्वामी ने बताया कि व्हाट्सएप्प ग्रुप के माध्यम से उनके द्वारा बच्चों को गृहकार्य दिया जाता है जो बच्चे बड़े उत्साह के साथ करके उन्हें भेजते हैं तत्पचात वे कार्य को जांच कर गलतियों से अवगत कराते हैं। साथ ही अलग अलग विषयों जैसे गिनती, वर्णमाला, पशुओं-पक्षियों के नाम आदि पर वीडियो बनाकर भी डाली जाती है जिससे अभिभावकों को सहायता मिल सके। इन कक्षाओं में विशेष ध्यान रखा जा रहा है कि हर बच्चे को उसकी इंडिविजुअल एजुकेशन प्रोग्राम के अनुसार अलग अलग गृहकार्य दिए जा रहे हैं, साथ ही थेरेपी के लिए आ रहे बच्चों का भी पूरा ध्यान रखा जा रहा है, उनके अभिभावकों को भी आवश्यकतानुसार कसरत प्लान से अवगत कराया जा रहा है। इन कक्षाओं में मलिका, दीपक, अमन, हर्षित, सुमित, शानवी सहित अन्य बच्चे बड़ी रुचि से भाग ले रहे हैं।

'ऑपरेशन आवाज' के तहत रैली निकाल किया जागरूक

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क
patrika.com

बहरोड़. कस्बे में भिवाड़ी एसपी राममूर्ति जोशी के द्वारा चलाए जा रहे ऑपरेशन आवाज के तहत मंगलवार को राजस्थान पत्रिका व सामाजिक संगठनों के संयोजन से पुलिस के द्वारा महिलाओं को जागरूक करने के लिए मुख्य मार्गों पर स्लोगन के साथ रैली का आयोजन किया।

जिसमें थानाधिकारी विनोद सांखला ने पुलिस थाने के सामने से हरी झंडी दिखाकर रैली को रवाना किया। सामाजिक महिला संगठनों ने महिलाओं पर हो रहे अत्याचार को रोकने के लिए रैली के माध्यम से लोगों को जागरूक किया। थानाधिकारी ने बताया कि रैली के माध्यम से महिलाओं पर हो रहे अत्याचार को रोकने और महिलाओं को जागरूक करने का काम किया है। जिसमें कई संस्थाओं की महिलाओं ने भाग लिया और लोगों को जागरूक करने का प्रयास किया। महिलाओं को अत्याचार करने वालों के खिलाफ आवाज उठानी चाहिए और उनका डटकर सामना करना चाहिए। इस दौरान मंथन फॉउंडेशन निदेशक डॉ सविता गोस्वामी ने बताया कि ऑपरेशन आवाज के तहत महिला अत्याचार,दुष्कर्म व अन्य अपराधों को रोकने,महिलाओं में सुरक्षा संबंधी कानूनी जागरुकता लाने एवं युवाओं को नारी जागरुकता के महत्व को समझाया। ऑपरेशन आवाज के तहत पुलिस क्षेत्र में महिलाओं की सुरक्षा के लिए कार्यक्रम चलाकर जागरूक करने का काम कर रही है। जिसमे हम सबको आगे आना चाहिए। इस दौरान मानवाधिकार सुरक्षा संगठन से प्रदेश महामंत्री रेणुका यादव, मीनाक्षी सिंघल, सांत्वना जेना,ललिता प्रजापत, पूजा चौहान, ललिता यादव, शिक्षिका मंजू शर्मा,सरोज यादव, सुनिता यादव, सुमन बाई,राजेश यादव, कविता चौधरी, सुनिता देवी, रेखा गोयल सहित महिला पुलिस भी मौजूद रही।

मंथन की ओर से सीआईएसएफ जवानों की कलाई पर बांधी राखी

स्वर्ण आभा न्यूज @ बहरोड़

कस्बे में स्थित मंथन फॉउन्डेशन चैरिटेबल ट्रस्ट के सदस्यों की ओर से शनिवार को सीआईएसएफ कैंप के जवानों की कलाई पर राखी बांधी गई। इस अवसर पर डॉ.सविता गोस्वामी ने बताया कि मंथन सदस्यों द्वारा अनंतपुरा स्थित केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल ट्रेनिंग सेंटर के जवानों की कलाई पर राखी बांधी गयी व देश के हर जवान की लंबी एवं सुखी जीवन की कामना की गई।करीब 600 लोगों को कोरोना से बचाव के लिए इम्युनिटी बूस्ट करने के लिए निःशुल्क होम्योपैथी दवाई दी गई।इस दौरान डॉ. पीयूष **(शेष पृष्ठ 4 पर)**

मंथन के तीन वर्ष पूरे होने पर सफल दिव्यांगों ने दिया धन्यवाद

बहरोड़। दिव्यांगता एक ऐसा शब्द जो किसी प्रकार की कमी को दर्शाता है।राठ क्षेत्र में इस कमी को दूर करने का बीड़ा मंथन फॉउन्डेशन चैरिटेबल ट्रस्ट ने उठाया है।मंथन संस्थापक डॉ. पीयूष गोस्वामी ने बताया कि पेशे से फ़िज़ियोथेरेपिस्ट होने के नाते उनके पास ऐसे बच्चे आने लगे जिनको फिजियोथेरेपी,स्पीच थेरेपी इत्यादि की आवश्यकता थी।थोड़ा सा सहयोग उनके जीवन को बदल सकता था।इस क्षेत्र में इन बच्चो के लिए इस प्रकार की किसी संस्था का अभाव देखते हुए उनके एवं ट्रस्ट सदस्यों द्वारा पुनर्वास केंद्र खोलने का निर्णय लिया गया एवं 22 जून 2017 को उसका शुभारंभ किया गया। डॉ. सविता गोस्वामी ने बताया कि मंथन दिव्यांग रिहैबिलिटेशन सेंटर के तीन वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में सोमवार को इस सेंटर से लाभान्वित हुए बच्चो एवं उनके अभिभावकों द्वारा सम्पूर्ण मंथन टीम का थैंक्यू मंथन के पोस्टर बनाकर फ़ोटो के माध्यम से धन्यवाद ज्ञापित किया गया व मंथन द्वारा इस शुभ अवसर पर श्री पंचमुखी हनुमान सेवा समिति द्वारा संचालित भोजन व्यवस्था में पचास जरुरतमंदो को भोजन करवाया।इस सेंटर द्वारा अब तक पचास से अधिक बच्चे लाभान्वित हो चुके हैं।जिनमें सेरिब्रल पाल्सी,

मानसिक विमंदित, मूक बधीर, डाउन सिंड्रोम इत्यादि के बच्चे शामिल है।तीन वर्षों के इस सफर में कई सकारात्मक परिणाम देखने को मिले है।साथ ही दो मूक बधिर बच्चे शुभम तथा मीनाक्षी जो कि बोल नही पाते थे अब स्पीच थेरेपी की सहायता से अच्छे से सुन पा रहे है और बोल पा रहे हैं।मंथन आगे भी निरंतर दिव्यांग सेवा में अग्रसर रहेगा व इस बच्चो को अपने शत प्रतिशत प्रयासों से काबिल बनाने के लिए समर्पित रहेगा।

मिलेगा। वहीं दूसरी तरफ सोचता हूं कि इनका यह विस्थापन इनके लिए अहितकारी सिद्ध ना हो जाये।

जिनके मोबाईल नम्बर 8209647913 हैं।

है।
नगर
ा कि
आए
की
है।
ीवार
ाई
कती
को
की

कल
श्री
राठौड़
बजे
व श्री
ाप
भषेक

मंथन का संभलता बचपन अभियान बच्चों के लिए आशा की किरण

बहरोड़, 8 जनवरी (निसं)। मंथन फाउंडेशन चैरिटेबल ट्रस्ट द्वारा गुरुवार को मंथन कार्यालय में संभलता बचपन अभियान के अंतर्गत जरूरतमंद बच्चों को स्वेटर व अन्य शिक्षण सामग्री वितरित की गई।

सचिव डॉ. सविता गोस्वामी ने बताया कि मंथन की प्रेरणा से बर्फी देवी द्वारा उनके पति स्वर्गीय राधेश्याम दीवान की स्मृति में 21 जरूरतमंद बच्चों को सर्दी से बचने हेतु गर्म जैकेट वितरित की गई।

साथ ही ट्रस्ट के दीपक जैन ने बताया कि इनमें संस्था द्वारा गोद लिए गए बच्चे भी शामिल है जिन्हें जैकेट के साथ साथ परीक्षा शुल्क व अन्य शैक्षणिक सहयोग दिया गया।

मंथन की इस मुहिम का हौसला अफजाई करते हुए शिक्षिका सुनीता चौधरी द्वारा मंथन का धन्यवाद किया गया। साथ ही बच्चों ने भी अपने विचार रखे।

चांदनी ने इस प्रकार के सहयोग हेतु समाज को आगे आने का संदेश दिया तो अरुण ने आगे जाकर चिकित्सा विभाग से जुड़ने की इच्छा जताई। मंथन का उद्देश्य यही है कि ये बच्चे आर्थिक तंगी के चलते बीच में ही अपनी पढ़ाई छोड़ देते हैं, इस प्रकार का छोटा सा सहयोगी इन बच्चों की जिंदगी बदल सकता है।

जानकारी के अनुसार गत 4 वर्षों से निरंतर चल रहे इस अभियान में चेयरमैन डॉ. पीयूष गोस्वामी, सुनील गोयल, वसंती यादव, अमित कुमार यादव, सारिका जैन, सुषमा गोस्वामी, नीरजा जैन, कोमल जैन, भावना अग्रवाल, मीना यादव, सुरभी यादव, ललिता प्रजापत, सांत्वना जेना, अधिवक्ता दीपक शास्त्री, पूजा चौहान सहित अन्य सदस्यों का विशेष सहयोग मिल रहा है।

बहरोड़. बच्चों के लिए पाठ्य सामग्री देती मंथन फाउंडेशन की कार्यकर्ता।

स्कूली बच्चों को पाठ्य सामग्री बांटी

बहरोड़ | मंथन फाउंडेशन चेरिटबल ट्रस्ट द्वारा गुरुवार को संभलता बचपन अभियान के अंतर्गत जरूरतमंद बच्चों को शिक्षण सामग्री बांटी गई। कार्यक्रम संयोजक वसंती यादव ने बताया कि राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय नं. 3, राजकीय विद्यालय नं. 1 व इंदिरा कॉलोनी स्थित विद्यालय के 11 विद्यार्थियों को बैग, रजिस्टर, ज्योमेट्री बॉक्स सहित अन्य स्टेशनरी वितरित की गई। इस दौरान डॉ. सविता गोस्वामी, दीपक जैन, अमित कुमार यादव, नीरजा जैन, वरुण कुमार यादव, सुषमा गोस्वामी, कोमल जैन, सारिका जैन, मीना यादव, प्रधानाध्यापक सुरेंद्र यादव, प्रधानाध्यापिका रामकला यादव, रवींद्र यादव, रचना, मंजु रामरती, अनिता आदि उपस्थित रहे।

शहीद धर्मेंद्र यादव के शहादत दिवस पर अर्पित की श्रद्धांजलि

बहरोड़। मंथन फाउंडेशन चैरिटेबल ट्रस्ट द्वारा मंथन कार्यालय पर राठ क्षेत्र के शहीद धर्मेंद्र यादव के शहादत दिवस पर श्रद्धा सुमन अर्पित किये गए।कोरोना महामारी के चलते शहीद परिवार व मंथन सदस्यों ने वीडियो कॉल के ज़रिए अपने घरों से ही श्रद्धांजलि अर्पित की।शहीद धर्मेंद्र यादव की पत्नी संतोष यादव ने बताया कि शहीद यादव सन 2002 में 14वीं बटालियन में सेना में भर्ती हुए थे व आज के ही दिन 2009 मे वीर गति को प्राप्त हुए थे।संस्था संचालन डॉ.सविता गोस्वामी ने बताया कि मंथन सदस्यो द्वारा अपने अपने घरों पर दीप प्रज्वलित कर व मौन रखकर वीर शहीद को श्रद्धांजलि दी व उनकी विरांगना सहित परिवारजन को इस बलिदान हेतु शत शत नमन किया।जिस तरह देश की सीमाओं पर हजारों सैनिक दिन रात अपनी जान को जोखिम में डाल कर हमारे देश की रक्षा करते हैं,उसी प्रकार से देश में कोरोना वायरस के चलते पूरे देश भर में लॉक डाउन के दौरान इस संक्रमण से बचाव के लिए लाखों स्वास्थ्य,पुलिस,मीडिया,सफाई कर्मी दिन रात हमारी सुरक्षा के लिए अपना कार्य मुस्तैदी से कर रहे हैं। ऐसे में हमारी कोशिश यही है कि उनका यह प्रयास व्यर्थ न जाये। इस मुश्किल समय में हम सभी को अपने अपने प्रयासों द्वारा हमारे इन योद्धाओं का साथ देना चाहिए तभी हम इस जंग को जीत पाएंगे।

सिर्फ एक दिन नहीं, हर पल होना चाहिए सैनिक सम्मान - डॉ. पीयूष सविता गोस्वामी।

दैनिक राष्ट्र सम्मत

बहरोड़। तेरा वैभव अमर रहे माँ, हम दिन चार रहे ना रहे,, की भावना के साथ अपने प्राणों को न्योछावर करने वाले भारत माँ के सपूतों के शौर्य, बलिदान, साहस व जोश का प्रतीक है ,,कारगिल विजय दिवस,, यह बात मंथन फॉउन्डेशन चैरिटेबल ट्रस्ट की डॉ. सविता गोस्वामी ने वीर शहीदों को दीप जलाकर श्रद्धांजली देते हुए कही। उन्होंने बताया कि कारगिल विजय दिवस स्वतंत्र भारत के सभी देशवासियों के लिए एक बहुत ही महत्वपूर्ण दिवस है जो वीर शहीदों के सम्मान में मनाया जाता है। 21 वर्ष पूर्व भारत और पाकिस्तान की सेनाओं के बीच वर्ष 1999 में कारगिल युद्ध लगभग 60 दिनों तक चला और 26 जुलाई के दिन उसका अंत हुआ तथा इसमें भारत विजयी हुआ।1971 के भारत-पाक युद्ध के बाद भी दोनों देशों के मध्य कई बार सैन्य संघर्ष होता रहा। दोनों देशों द्वारा परमाणु परीक्षण के कारण तनाव और बढ़ गया था। स्थिति को शांत करने के लिए दोनों देशों ने फरवरी 1999 में लाहौर में घोषणा पत्र पर हस्ताक्षर किए थे। जिसमें कश्मीर मुद्दे को द्विपक्षीय वार्ता द्वारा शांतिपूर्ण ढंग से हल करने का वादा किया गया था। लेकिन बावजूद इसके पाकिस्तान अपने सैनिकों और अर्ध-सैनिक बलों को छिपाकर नियंत्रण रेखा के पार भेजने लगा और इस घुसपैठ का नाम ,,ऑपरेशन बद्र,, रखा था। इसका मुख्य उद्देश्य कश्मीर और लद्दाख के बीच की कड़ी को तोड़ना और भारतीय सेना को सियाचिन ग्लेशियर से हटाना था। इसके बाद भारत सरकार ने ऑपरेशन विजय नाम से 2,00,000 सैनिकों को भेजा। यह युद्ध आधिकारिक रूप से 26 जुलाई 1999 को समाप्त हुआ। इस युद्ध के दौरान 550 सैनिकों ने अपने जीवन का बलिदान दिया और 1400 के करीब सैनिक घायल हुए थे और भारतीय सेना ने टोटोलिंग, टाइगर हिल, बटालिक चोटियों को फतह करते हुए विजय की गाथा लिखी। इस गाथा में एक महत्वपूर्ण नाम था परमवीर चक्र विजेता योगेंद्र सिंह का, जिन्होंने सत्रह गोलियां लगने के बाद भी तिरंगा लहराया था। उनका मानना है कि जब युद्ध होता है तो सिर्फ सैनिक ही नहीं बल्कि पूरे देश का हर नागरिक लड़ता है। मानसिक रूप से, आर्थिक रूप से और अपनी प्रार्थनाओं के द्वारा। कारगिल दिवस पर डॉ0 पीयूष गोस्वामी ने अपना विचार रखते हुए कहा कि देश के हर नागरिक का यह नैतिक फर्ज बनता है कि वह सिर्फ एक दिन के लिए जवानों को सम्मान व शहीदों को श्रद्धान्जली देकर खानापूर्ति ना करे, अपितु हर दिन हर समय जब भी उसके सामने कोई सैनिक आये तो उनके सम्मान में खड़े हो कर या तालियों से उनका स्वागत करें, यदि किसी वीरांगना को कोई परेशानी है तो यथासंभव उसकी सहायता करें तभी सही मायने में कारगिल विजय दिवस की सार्थकता सिद्ध होगी।

दिव्यांगों के लिए राज्य स्तरीय मीटिंग में मंथन फाउंडेशन ने लिया हिस्सा

बहरोड़ (नि.सं.)

कोरोना ने आम जनजीवन को अस्त व्यस्त कर दिया जिसका खामियाजा हर आम आदमी को भुगतना पड़ा। कोरोना के चलते स्कूल कॉलेज सभी बंद रहे जिसका असर सबसे अधिक बच्चों पर पड़ा और अगर दिव्यांग बच्चों की बात करें तो उनकी शिक्षा, थेरेपी, चिकित्सा एवं रोजगार भी व्यापक रूप से प्रभावित हुई।

इसी क्रम में स्फेयर इंडिया एजेंसी द्वारा एक राज्य स्तरीय जूम मीटिंग का आयोजन किया जिसमें दिव्यांगता के क्षेत्र में कार्य करने वाली सरकारी एवं गैर सरकारी संस्थाओं के बीच चर्चा की गई कि किस प्रकार से कोरोना से प्रभावित हुई दिव्यांगों की जिंदगी को पुनः पटरी पर लाया जा सकता है। इस मीटिंग में दिव्यांग बच्चों के न्यूट्रिशन, शिक्षा, काउन्सलिंग एवं सरकारी योजनाओं के लाभ को सभी दिव्यांगों तक पहुंचाने के लिये एक्सपर्ट्स द्वारा राय दी गयी। इस मीटिंग में मंथन फाउंडेशन समेत 77 प्रतिभागियों ने भाग लिया।

मंथन फाउंडेशन की सचिव डॉ. सविता गोस्वामी ने बताया कि स्फेयर इंडिया की इस पहल का लाभ निश्चित ही हर दिव्यांग तक पहुंचेगा। साथ ही मंथन चैयरमैन डॉ. पीयूष गोस्वामी ने दिव्यांगता सर्टिफिकेट बनाने की प्रोसेस को इजी करने सभी दिव्यांग बच्चों के चिन्हीकरण एवं समेकित शिक्षा प्रणाली को मजबूत बनाने आदि बिंदुओं पर अपनी राय दी।

ठंड से बचने के लिए बच्चों को बांटे गर्म जैकिट

बहरोड (हुक्मनामा समाचार)। मंथन फॉउंडेशन ट्रस्ट की ओर से शुक्रवार को जरूरतमंद बच्चों को गर्म जैकिट एवं पाठ्य सामग्री वितरित की गई। ट्रस्ट सचिव डा. सविता गोस्वामी ने बताया कि पंचमुखी हनुमान सेवा समिति द्वारा नए बस स्टैंड स्थित हनुमान मंदिर परिसर में शाम के समय जरूरतमंद लोगों को नि:शुल्क भोजन कराया जाता है। वहां उपस्थित समस्त बच्चों को मंथन द्वारा गर्म जैकिट व पाठ्य सामग्री वितरित की गई। वहीं संरक्षक वसंती यादव ने सभी बच्चों को शिक्षा का महत्व बताया और निरंतर पडाई करने के लिए प्रेरित किया। बताया कि शिक्षा ही वह माध्यम है जो उनके जीवन स्तर को सुधार सकता है। नई जैकेट और पाठ्य सामग्री प्राप्त कर सभी बच्चों के चेहरे चमक उठे एवं सभी ने अच्छे से पडाई करने का संकल्प लिया। संस्थापक डॉ. पीयूष गोस्वामी ने बताया कि सम्भलता बचपन अभियान के अंतर्गत गत 4 वर्षों से लगातार सर्दियों से बचने हेतु जरूरतमंदों की सेवार्थ विभिन्न स्थानों पर ऐसे आयोजन किये जाते है। इस अवसर पर पंचमुखी हनुमान सेवा समिति के अध्यक्ष सीताराम गुप्ता ने मंथन द्वारा निरंतर समाजोपयोगी गतिविधियों हेतु सदस्यो का आभार व्यक्त किया व उनकी कार्यशैली की सराहना की।

कोरोना काल में टेलेंट हंट शो कर रहा दिव्यांग बच्चों का उत्साहवर्धन

बहरोड़। मंथन फॉउन्डेशन चैरिटेबल ट्रस्ट द्वारा उद्गम द बिगनिंग नाम से एक ऑनलाइन अंतर्राष्ट्रीय दिव्यांग टैलेंट हंट शो करवाया जा रहा है, जिसने देश विदेश के दिव्यांगजनों में नई आशा व उम्मीद का संचार किया है। निदेशक डॉ. सविता गोस्वामी ने बताया कि इस प्रतियोगिता के प्रथम चरण में सांस्कृतिक गतिविधियों में बच्चे बढ़-चढ़कर हिस्सा ले रहे है। कोई एक पैर पर मोरनी नृत्य करके दिखा रहा तो कोई माँ के प्रति अपने प्रेम को डांस के माध्यम से दर्शा रहा है। उन्होंने बताया कि इसके अलावा

बच्चे विभिन्न वेशभूषाओं से अपनी कला का प्रदर्शन कर रहे है। प्रतियोगिता में बंगाल, गोआ, महाराष्ट्र, मध्यप्रदेश, केरला, पंजाब, असम सहित देश के विभिन्न हिस्सों से करीब 100 से अधिक प्रविष्ठियां आ चुकी हैं। ट्रस्ट के डॉ. पीयूष गोस्वामी ने बताया कि इस कार्यक्रम को कराने का उद्देश्य है इस स्पेशल टेलेंट को दुनिया के सामने लाना व उन्हें मौका देना। कोरोना काल में बच्चों की प्रतिभाओं को निखारने के इस प्रयास में वसंती यादव, अमित यादव, घनश्याम, दीपक जैन, कुलदीप सैनी, सारिका जैन, सांत्वना जैन, नीरजा जैन, कोमल जैन, भावना अग्रवाल, दीपक सैनी, चंद्रेश सैनी, मुकेश अग्रवाल, ललिता प्रजापत, रामसिंह मोरोड़िया आदि का विशेष सहयोग मिल रहा है।

वर्षगाँठ पर मंथन ने किया दिव्यांग टैलेंट हंट शो पोस्टर विमोचन

तेज न्यूज़24/सुनिल जालिन्द्रा

अलवर। मंथन फॉउन्डेशन चैरिटेबल ट्रस्ट के पाँच वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य बहरोड़ मंथन कार्यालय में दिव्यांग बच्चों के लिए होने वाले टैलेंट हंट शो के पोस्टर का विमोचन आयोजन किया गया। निदेशक डॉ. सविता गोस्वामी ने बताया कि मंथन पिछले कुछ वर्षों से दिव्यांग बच्चों के पुनर्वास, शिक्षा एवं रोजगार के लिये लगातार प्रयासरत है। कोरोना काल ने सबका जीवन अस्त-व्यस्त कर दिया है। यह महामारी दिव्यांग बच्चों के हुनर व उनकी प्रगति को रोक ना सके इसी उद्देश्य को ध्यान में रखते हुए फाउंडेशन द्वारा ,,उद्गम,, द बिगनिंग नाम से एक ऑनलाइन प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है। मंथन संस्थापक डॉ. पीयूष गोस्वामी ने प्रतियोगिता सम्बन्धित जानकारी देते हुए बताया कि उद्गम एक अंतर्राष्ट्रीय स्तर की श्रृंखला है जिसके प्रथम चरण में सांस्कृतिक प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है। इसके अंतर्गत नृत्य, संगीत, गायन व अभिनय शामिल है जिसमें दिव्यांग बच्चे या विशेष सेवारत संस्थाएं शनिवार से नामांकन करवा सकती है व 30 अक्टूबर तक नामांकन खुले रहेंगे। यह पूर्णरूप निःशुल्क है

जिसमें विभिन्न केटेगरी जैसे दृष्टि बाधित, डाउन सिंड्रोम, सेरिब्रल पाल्सी, श्रवण बाधित के बच्चे देश विदेश से हिस्सा ले सकेंगे। वहीं मंथन ट्रस्टी अमित कुमार यादव ने बताया कि मंथन ने अपनी सेवा के पाँच वर्ष पूर्ण कर लिए है। इस सफर के दौरान सभी मीडिया बंधुओ, अन्य संस्थाओं व भामाशाहो का भरपूर सहयोग मिला, मंथन परिवार सभी का तहेदिल से आभारी है। पोस्टर विमोचन कार्यक्रम के दौरान सह- संस्थापिका डॉ. सविता गोस्वामी, संरक्षिका वसंती यादव, घनश्याम यादवं, ललिता प्रजापत, डेविड सैनी आदि उपस्थित रहे।

MANTHAN FOUNDATION
Presents
Udgam
The Beginning
International Special Talent Hunt Show
LIVE
Time:-
Tuesday 12 P.M.
Onwards
Result Announcing Day-
1st December 2020
Host
Speakers:-
Special Guest
Performance
Join us
Live on
facebook
@ngomanthanfoundation
Dr. Savita Goswami
Dir. Manthan Special School
Adv. Anita Gupta
Founder Maa Shakti
International Org.
Parul Singh
Motivational Speaker at
Down Syndrome Federation of India
Contact Detail:- G
CICI Bank, Tas ng
51826138

अंतर्राष्ट्रीय दिव्यांग टेलेंट हंट के प्रथम चरण का परिणाम एक को

बहरोड़। मंथन फॉउन्डेशन द्वारा दिव्यांग बच्चों के लिए आयोजित ऑनलाइन इवेंट उद्गम- द बिगिनिंग इंटरनेशनल स्पेशल टैलेंट हंट शो के प्रथम चरण का परिणाम 1 दिसंबर को घोषित किया जाएगा। यह जानकारी शनिवार को मंथन कार्यालय पर आयोजित प्रेस वार्ता में डॉ. सविता गोस्वामी ने दी। उन्होंने बताया कि दिव्यांग बच्चों की प्रतिभाओं को उभारने एवं समाज के सामने प्रदर्शित करने के उद्देश्य से ऑनलाइन इवेंट उद्गम की शुरुआत 16 अक्टूबर को की गई थी। जिसके प्रथम चरण में सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुतियां आमंत्रित की गई थी। वहीं डॉ. पीयूष गोस्वमी ने जानकारी देते हुये बताया कि सांस्कृतिक कार्यक्रमों के इस चरण में देशभर से अच्छी प्रतिक्रिया मिली एवं विभिन्न शारिरिक एवं मानसिक दिव्यांगता लिए हुए लगभग 150 कलाकारों ने इसमें हिस्सा लिया एवं मनभावक प्रस्तुतियां दी। इस कार्यक्रम में आटिज्म के 31, दृष्टिबाधिता के 26, बौद्धिक अक्षमता से 52, सेरिब्रल पाल्सी से 12, श्रवण बाधिता से 23 एवं अन्य से 6 बच्चों ने गायन, नृत्य, अभिनय, वादन आदि की प्रस्तुतियां दी। जिसे यूट्यूब पर अपलोड भी किया गया। इस प्रतियोगिता के विजेताओं की घोषणा 1 दिसम्बर को की जाएगी। प्रेस वार्ता के दौरान दीपक सैनी, नेहा जैन सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।